बर्षः- 06
अंकः- 78
मुरादाबाद
(Wednesday)
08 July 2026
पृष्ठः-8
मूल्यः- 3.00 रूपया

दैनिक
प्रातः कालीन

क्यूँ न लिखूँ सच

राष्ट्रीय हिंदी अंग्रेजी समाचार पत्र
भारत सरकार से रजिस्टर्ड
RNI No.UPBIL/2021/83001
मुरादाबाद से प्रकाशित
प्रसारित क्षेत्र-बरेली, पीलीभीत, बदायूं, कासगंज, एटा, संभल, श्रावस्ती, अलीगढ और उत्तराखंड

भारत-इंडोनेशिया के बीच EVM-UPI और ब्रह्मोस मिसाइल पर करार

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज इंडोनेशिया में दोनों देशों की साझा संस्कृति को ताकत बताया। पीएम मोदी ने राष्ट्रपति सुबियांतो के साथ एक साझा वक्तव्य के दौरान गुरुदेव रवींद्रनाथ टैगोर को भी याद किया। पीएम मोदी ने वैश्विक तनाव के बीच भारत-इंडोनेशिया की साझा ताकत को भी रेखांकित किया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज इंडोनेशिया में राष्ट्रपति सुबियांतो के साथ कई अहम मुद्दों पर चर्चा की। दोनों नेताओं के बीच इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन (EVM), ब्रह्मोस मिसाइल

और कृषि क्षेत्र में सहयोग पर विस्तार से चर्चा हुई। पीएम मोदी ने समझौतों और द्विपक्षीय बैठक के बाद दोनों देशों की साझा संस्कृति को ताकत बताया। ईवीएम से जुड़े मुद्दे पर बनी सहमति के मुताबिक दोनों देशों ने अनुकूलित भारतीय इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीनों के निर्यात पर एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किया है।पीएम मोदी के इंडोनेशिया दौरे परU EVM से जुड़ा क्या समझौता हुआ?-प्रधानमंत्री के दौरे पर समझौतों के बारे में समाचार एजेंसी एएनआई ने सूत्रों के हवाले से बताया, भारत इंडोनेशिया के लिए विशेष EVM के विकास में सहयोग करेगा। यह भारत के चुनाव प्रबंधन मॉडल को बड़े समर्थन की तरह देखा जा रहा । ब्रह्मोस मिसाइलों के भंडार पर क्या सहमति बनी? ईवीएम के अलावा रक्षा क्षेत्र में भी दोनों देशों के बीच अहम समझौते हुए हैं।

ऑपरेशन सिंदूर में भारत की हवा से हवा में मार करने वाली मिसाइल शक्ति की सफलता के बाद, इंडोनेशिया ने भारतीय अस्त्र मिसाइलों का आयात करने का निर्णय लिया है। इंडोनेशिया अपने ब्रह्मोस मिसाइलों के भंडार का विस्तार कर रहा है। भारत अधिक बैटरी मुहैया कराने में सहयोग करेगा।दोनों देशों के बीच प्रौद्योगिकी के इस्तेमाल को रेखांकित करते हुए पीएम मोदी ने कहा, आपूर्ति श्रृंखला की मजबूती आज के समय में बहुत महत्वपूर्ण है। महत्वपूर्ण खनिजों और इस्पात क्षेत्रों में आपूर्ति श्रृंखलाओं को और मजबूत करने के लिए एक महत्वपूर्ण समझौता हुआ है। स्टेनलेस स्टील और दुर्लभ-पृथ्वी चुंबकों के संबंध में कंपनियों के बीच नई साझेदारी बन रही है। भारत का यूपीआई इंडोनेशिया की भुगतान प्रणाली के साथ एकीकृत होने वाला है। इससे कारोबार करने और यात्रा करने में आसानी को बढ़ावा मिलेगा। पीएम मोदी ने कहा कि भारत और इंडोनेशिया के बीच यूपीआई का एकीकरण होने से संबंध और मजबूत होंगे। भारत-इंडोनेशिया के बीच बड़े समझौतों में प्रमुख क्या? विशेष ईवीएम विकसित करने में सहयोग करेगा भारत। इंडोनेशिया की भुगतान प्रणाली के साथ एकीकृत होगा भारत का यूपीआई। भारत से अस्त्र मिसाइलों का आयात करेगा इंडोनेशिया।

ब्रह्मोस के भंडार का विस्तार कर रहा इंडोनेशिया, भारत बैटरी मुहैया कराएगा। गुरुदेव टैगोर को याद कर क्या बोले पीएम मोदी?- पीएम मोदी ने राष्ट्रपति सुबियांतो के साथ एक साझा वक्तव्य के दौरान गुरुदेव रवींद्रनाथ टैगोर को भी याद किया। पीएम मोदी ने वैश्विक तनाव के बीच भारत-इंडोनेशिया की साझा ताकत को भी रेखांकित किया। उन्होंने कहा कि दोनों देश गुरुदेव रवींद्रनाथ टैगोर की इंडोनेशिया की ऐतिहासिक यात्रा की शताब्दी बड़े उत्साह के साथ मनाएंगे। महान शिक्षाविद् और इंडोनेशिया के पहले शिक्षा मंत्री, देवान्तारा ने देश के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। शिक्षा पर उनके विचार गुरुदेव टैगोर के दर्शन से बहुत प्रभावित थे। इसलिए, भारत और इंडोनेशिया इस शताब्दी वर्ष को %टैगोर-देवान्तारा सांस्कृतिक और शैक्षिक कूटनीति वर्ष% के रूप में मनाएंगे। सांस्कृतिक और शैक्षिक कूटनीति पर पीएम मोदी का रुख क्या?-बकौल पीएम मोदी, कल यानी बुधवार को राष्ट्रपति प्रभाओ के साथ योग्याकार्ता में प्रंबानन मंदिर के संरक्षण परियोजना का शुभारंभ किया जाएगा। एक हजार साल से भी अधिक पुराना प्रंबानन मंदिर भारत और इंडोनेशिया की साझा सांस्कृतिक विरासत का प्रतीक है। दोनों देशों के बीच हुई बातचीत के दौरान इस बात पर भी सहमति बनी है कि महत्वपूर्ण खनिज आपूर्ति श्रृंखला को मजबूत करने के लिए, भारत इंडोनेशिया में स्टील, निकल और दुर्लभ-पृथ्वी स्थायी चुंबकों के निर्माण में निवेश करेगा।

संक्षिप्त समाचार

कैशलेस इलाज योजना और पौधरोपण अभियान को मेगा इवेंट बनाएगी सरकार, संगठन के साथ मिलकर होंगे आयोजन

योगी सरकार कैशलेस इलाज योजना और पौधरोपण अभियान को मेगा इवेंट बनाने की तैयारी में है। सरकार और संगठन मिलकर इसका आयोजन करेंगे। सीएम ने मंत्रियों-विधायकों को क्षेत्रों में रहने के निर्देश दिए हैं। 8 जुलाई को शिक्षकों के लिए कैशलेस चिकित्सा योजना का शुभारंभ किया जाएगा। 12 जुलाई को प्रदेशव्यापी पौधरोपण अभियान चलेगा।उत्तर प्रदेश सरकार अपनी प्रमुख जनकल्याणकारी योजनाओं के व्यापक प्रचार-प्रसार के लिए संगठन के साथ मिलकर अभियान चलाएगी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को भाजपा प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी और संगठन महामंत्री धर्मपाल सिंह की मौजूदगी में मंत्रिपरिषद की बैठक में जरूरी निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि आठ जुलाई को वाराणसी में शिक्षकों के लिए कैशलेस चिकित्सा सुविधा योजना के शुभारंभ और 12 जुलाई के पौधरोपण अभियान को प्रदेशभर में मेगा इवेंट के रूप में आयोजित किया जाए। सभी मंत्री अपने-अपने प्रभार वाले जिलों में तथा विधायक अपने विधानसभा क्षेत्रों में संगठन पदाधिकारियों के साथ मिलकर कार्यक्रम आयोजित करेंगे।प्रशासनिक बाधाओं के समाधान की निगरानी करें-सरकार का लक्ष्य है कि योजना की जानकारी प्रदेश के प्रत्येक पात्र शिक्षक तक पहुंचे। लागू होने के बाद अपने क्षेत्रों में बैठकें कर पात्र लाभार्थियों के पंजीकरण और प्रशासनिक बाधाओं के समाधान की निगरानी करें।

योगी का हमला: रामभक्तों पर गोलियां चलवाने पर आस्था आहत नहीं हुई थी, वक्फ पर कांग्रेस-सपा के मुंह पर फेविकोल

उत्तर प्रदेश मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि कांग्रेस दावा करती थी कि भगवान राम का कभी अस्तित्व ही नहीं था, या भगवान कृष्ण कभी हुए ही नहीं। देखिए, कांग्रेस और समाजवादी पार्टी-जिन्होंने कभी अयोध्या में बाबरी ढांचे का समर्थन किया था और उस पर मगरमच्छ के आंसू बहाए थे, कैसे गिरगिट की तरह रंग बदल रहे हैं। यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रतापगढ़ की विश्वनाथगंज विधान सभा इलाकों में 384 करोड़ से अधिक लागत की 111 विकास परियोजनाओं का लोकार्पण/शिलान्यास किया। इस दौरान उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि आज कांग्रेस और समाजवादी पार्टी के पास सिर्फ़ दो ही मुद्दे बचे हैं। आपने देखा होगा कि हाल के दिनों में उन्होंने भारत की सनातन आस्था पर हमला करने की कैसी शरारतपूर्ण कोशिशें की हैं। कांग्रेस दावा करती थी कि भगवान राम का कभी अस्तित्व ही नहीं था, या भगवान कृष्ण कभी हुए ही नहीं। देखिए, कांग्रेस और समाजवादी पार्टी-जिन्होंने कभी अयोध्या में बाबरी

ढांचे का समर्थन किया था और उस पर मगरमच्छ के आंसू बहाए थे, कैसे गिरगिट की तरह रंग बदल रहे हैं। कांग्रेस ने राम के अस्तित्व को ही नकार दिया, और समाजवादी पार्टी ने राम भक्तों पर गोलियां चलवाईं। उन्हें आस्था के बारे में बात करने का क्या हक़ है, वे लोग जो हिंदू विरासत से जुड़े धार्मिक स्थलों के जीर्णोद्धार के लिए रखे गए पैसे को कब्रिस्तान की चारदीवारी बनाने में खर्च कर देते थे वे किस तरह की आस्था की बात कर रहे हैं? यह देश अब कांग्रेस और समाजवादी पार्टी के जाल में नहीं फंसेगा।

उत्तर प्रदेश मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा, प्रतापगढ़ आज से 9-10 वर्ष पहले पिछड़े जनपदों में गिना जाता था। लोग कहते थे कि प्रतापगढ़ में कुछ नहीं होगा, कनेक्टिविटी नहीं है, बुनियादी सुविधाएं नहीं हैं, सड़कें नहीं हैं, आवागमन के साधन नहीं है। लोग हतोत्साहित थे। लेकिन आज कोई व्यक्ति हतोत्साहित नहीं है। आज सरकार का प्रोत्साहन है तो उसके मन में उत्साह है। उज्जवल भविष्य की आशा है। 2017 से पहले इस प्रदेश में इसी प्रोत्साहन का अभाव था, 2014 से पहले इस देश में भी इसी प्रोत्साहन का अभाव था।

राम मंदिर चढ़ावा चोरी: पहले 500 रुपये के एक-दो नोट, फिर बड़ी रकम, निगरानी में ढिलाई का फायदा; एक और अहम खुलासा

राम मंदिर में दान की चोरी करने वाले आरोपियों ने चौंकाने वाले खुलासे किए हैं। नौकरी मिलने के दो माह बाद ही छह कर्मचारियों ने चोरी करना शुरू कर दी थी। ड्यूटी खत्म होने पर आरोपी नकदी को कपड़ों में छिपाकर बाहर ले जाते थे। आरोपियों ने तीन करोड़ रुपये तक की चोरी करने की बात स्वीकार की है। राम मंदिर चढ़ावा चोरी मामले की जांच में एक और अहम पहलू सामने आया है। पुलिस पूछताछ में गिरफ्तार आरोपियों ने बताया कि काउंटिंग रूम में लगे सीसीटीवी कैमरों की निगरानी कई बार प्रभावी ढंग से नहीं होती थी। आरोप है कि कंट्रोल रूम में कई बार कोई मौजूद नहीं रहता था और मॉनिटरिंग में लापरवाही रहती थी। इसी कमजोरी का फायदा उठाकर आरोपी गणना के दौरान नोट निकाल लेते थे। राम मंदिर में चढ़ावा चोरी के आरोपियों से पुलिस ने रविवार को छह घंटे तक पूछताछ की है। इस दौरान आरोपियों ने बताया कि ट्रस्ट में नौकरी मिलने के दो-तीन महीने बाद ही छह कर्मचारियों ने चोरी शुरू कर दी थी। शुरुआत में वे 500 रुपये के एक-दो नोट कपड़ों में छिपाकर ड्यूटी खत्म होने पर बाहर ले जाते थे। किसी के पकड़े न जाने पर उनका हौसला बढ़ता गया और बाद में नोटों की गड्डियां और फिर बड़ी रकम निकालने लगे।पूछताछ में आरोपियों ने सामूहिक रूप से करीब दो से तीन करोड़ रुपये तक की चोरी करने की बात स्वीकार की है। जांच में यह भी सामने आया है कि सात आरोपियों ने चोरी के पैसों से संपत्तियां खरीदीं। कुछ संपत्तियां अयोध्या के बाहर भी खरीदी गई हैं।गिरफ्तारी के बाद भी बरामदगी का दावा- सूत्रों के अनुसार ट्रस्ट की ओर से चार और पांच जून के आसपास आरोपियों के ठिकानों से करीब 79 लाख रुपये नकद और चोरी के आभूषण बरामद कराए गए थे। इसके अलावा गिरफ्तार आरोपियों की निशानदेही पर अतिरिक्त नकदी भी बरामद होने की जानकारी सामने आई है। आरोपियों के घर से कुछ जेवर भी मिले थे, जिनके सत्यापन

की प्रक्रिया चल रही है। जेवर की खरीद या उपहार आदि के साक्ष्य प्रस्तुत करने पर उन्हें परिजनों को लौटाए जाएंगे, नहीं तो चोरी के जेवर मानकर कार्रवाई में शामिल किया जाएगा।अयोध्या में राम मंदिर में चढ़ावा चोरी व गबन के मामले में विवेचक आशुतोष तिवारी ने तीन आरोपियों की सात दिन के लिए रिमांड की मांग की है। विशेष न्यायाधीश एंटी करप्शन कोर्ट में उन्होंने आरोपी लवकुश मिश्रा, अनुकल्प मिश्रा व करुणेश पांडेय को पुलिस अभिरक्षा (कस्टडी) में देने का प्रार्थना पत्र प्रस्तुत किया है। विशेष अभियोजन अधिकारी ने रिमांड प्रार्थना पत्र के बिंदुओं पर अदालत को बताया कि जेल में निरुद्ध आरोपियों ने विवेचक को बयान दिए हैं, जिनमें नए तथ्य आए हैं।इनकी सत्यता की जांच के लिए आरोपियों को पुलिस कस्टडी में सात दिन का रिमांड दिया जाना आवश्यक है। वहीं, आरोपियों की ओर से जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की ओर से नियुक्त लीगल एड डिफेंस काउंसिल डिप्टी चीफ ने कहा कि आज ही वह आरोपियों की ओर से पैरवी के लिए नियुक्त हुए हैं। इस पर अदालत ने रिमांड प्रार्थना पत्र सुनवाई के लिए मंगलवार की तारीख नियत की है।शनिवार को मांगी थी बयान दर्ज करने की अनुमति- चढ़ावा चोरी मामले में विशेष अभियोजन अधिकारी के माध्यम से विवेचक ने जेल में निरुद्ध पांच आरोपियों से उनका बयान दर्ज करने के लिए शनिवार को अनुमति मांगी थी। इस पर कोर्ट ने जेल में जाकर बयान लेने के लिए अनुमति दी थी। दो जुलाई को विवेचक ने आरोपी अविनाश शुक्ला की 48 घंटे की पुलिस कस्टडी रिमांड मांगी थी। भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम अदालत के विशेष न्यायाधीश रजत वर्मा ने केवल 13 घंटे के लिए ही अनुमति दी थी। उस दौरान अविनाश के कब्जे से एक कार व कई आभूषण बरामद हुए थे। उसकी निशानदेही पर चढ़ावा चोरी की रकम के बंटवारे का स्थान भी चिह्नित किया गया था। सभी आरोपी 26 जून से जिला कारागार में निरुद्ध हैं।बैंक खातों के संचालन की नई व्यवस्था को मिली मंजूरी- राम मंदिर ट्रस्ट की बैठक में बैंक खातों के संचालन की नई व्यवस्था को भी मंजूरी दी गई है। अंतरिम व्यवस्था के तहत ट्रस्ट सदस्य कृष्ण मोहन को महामंत्री का कार्यभार सौंपा गया। उन्हें दो सहायक नियुक्त करने की अनुमति भी दी गई। अब बैंक खातों का संचालन कृष्ण मोहन, जगदीश आफले और चंदन राय संयुक्त रूप से करेंगे। अब तक राम मंदिर के ट्रस्टी डॉक्टर अनिल मिश्र यह व्यवस्था देखते थे।वहीं श्रीराम जन्मभूमि तीर्थक्षेत्र ट्रस्ट ने बैठक में मंदिर के प्रबंधन और संचालन प्रणाली को अधिक सशक्त, पारदर्शी और जवाबदेह बनाने की दिशा में बड़े सुधारों के संकेत दिए हैं। सोमवार को हुई न्यासी बैठक में ट्रस्ट ने स्पष्ट किया कि वर्तमान घटनाक्रम के बाद प्रबंधन एवं संचालन की पद्धति में मौजूद कमजोरियों को दूर करना प्राथमिकता होगी। ट्रस्ट ने निर्णय लिया कि चढ़ावा गणना प्रकरण की जांच कर रही एसआईटी की अनुशंसाओं के साथ-साथ स्वतंत्र विशेषज्ञों से भी परामर्श लिया जाएगा। विशेषज्ञों के सुझावों के आधार पर मंदिर की प्रशासनिक, वित्तीय और प्रबंधन व्यवस्था में आवश्यक सुधार किए जाएंगे। वकसित की जानी चाहिए जिससे भविष्य में किसी भी प्रकार की अनियमितता की संभावना न्यूनतम हो। इसी उद्देश्य से आधुनिक, कुशल और पारदर्शी प्रबंधन की दिशा में कदम उठाए जाएंगे। पांच फरवरी 2020 को राम मंदिर ट्रस्ट का गठन और पहली बैठक हुई थी। तब से लेकर आज तक हर बैठकों का निर्देशन महासचिव के रूप में चंपत राय ही करते आए हैं, यह पहला अवसर रहा जब उनके बिना बैठक संपन्न हुई।

एकेटीयू दीक्षांत समारोह: स्टार्टअप को प्रोत्साहन, 62537 छात्र-छात्राओं को मिली डिग्री; 83 मेडल पाकर सम्मानित

राजधानी में एकेटीयू दीक्षांत समारोह में स्टार्टअप को प्रोत्साहन मिला। मेधावियों को मेडल मिले तो उनके चेहरे खुशी से खिल उठे। राजधानी लखनऊ में डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम प्राविधिक विश्वविद्यालय (एकेटीयू) का 24वां दीक्षांत समारोह मंगलवार को आयोजित हो रहा है। कार्यक्रम की शुरुआत राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने की। इस मौके पर मुख्य अतिथि के रूप में आईओसीएल के चेयरमैन अरविंदर सिंह साहनी, विशिष्ट अतिथि प्राविधिक शिक्षा विभाग के मंत्री ई. आशीष पटेल और प्राविधिक शिक्षा विभाग प्रमुख सचिव डॉ. एम.के शन्मुगा सुंदरम मौजूद

रहे।समारोह में अजय कुमार गर्ग इंजीनियरिंग कॉलेज (एकेजी), गाजियाबाद के बीटेक की छात्रा अंशिका राणा को चांसलर मेडल दिया गया। वहीं कमल रानी वरुण स्मृति स्वर्ण पदक एससी वर्ग में केआईईटी ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस, गाजियाबाद की बीटेक की छात्रा इशिका को दिया गया।कलाकार आशीष कंसारा को डिलिट की मानद उपाधि मिली- गुजरात के रोगन कला के कलाकार आशीष कंसारा को डिलिट की मानद उपाधि दी गई। उन्होंने कहा कि राज्यपाल ने हस्तकला को आगे बढ़ाने के लिए प्रयास किया है। सभी का आभार जताया। वहीं चांसलर मेडल अंशिका राणा एकेजी गाजियाबाद की छात्रा को दिया गया। कमल रानी वरुण मेडल इशिका, केआईईटी ग्रुप गाजियाबाद की छात्रा को दिया गया।

संपादकीय Editorial

The "inconclusive" case

Dr. Vikram Singh, former Director General of Police of Uttar Pradesh, and M.L. Sharma, former Special Director of the CBI, assess that the Ram Temple donation theft case is unlikely to reach a conclusion because the investigation being conducted is riddled with loopholes and questionable details. A very relaxed investigation is underway. A farce is being staged in the name of investigation. The crucial and questionable question is why the police have not sought the remand of the eight accused who have been sent to jail for 14 days of judicial custody again. If remand is not granted, how will the accused be interrogated and questioned? If interrogation is not conducted, how will the alleged perpetrators be recovered? How will the clues and network of the crime be uncovered? Recovery is only significant and legal if the accused confess and reveal where the stolen money, jewelry, etc. are kept and where the money has been invested. Unless this information is confirmed and verified, the crime cannot be proven. Both top police officers believe that the actions taken by the Trust, the concealment of the seizure of approximately 80 lakh rupees from the Special Investigation Team, and the filing of the FIR after 20 days, are so laden with loopholes that the investigation is unlikely to reach any conclusion. It is noteworthy that VHP International President Alok Kumar has revealed that on June 5th, the Ram Temple Trust itself conducted a preliminary investigation. Police assistance was sought, and a black bag containing approximately 5 lakh rupees in cash was recovered from the home of accused Avinash Shukla. However, on June 7th, Trust General Secretary Champat Rai Bansal denied any "theft," stating that nothing significant had occurred. Former Director General of Police Vikram Singh considers this an "illegal" interference by the Trust. On whose orders did the police participate in that raid? He questions why an FIR was not filed despite the seizure of money. In fact, we also believe that there was a gap of 20 long days between the initial seizure and the filing of the FIR on June 25th. During that time, the accused and their handlers may have destroyed evidence and disposed of the stolen money, and despite this, the Ayodhya police did not take the accused on remand. Obviously, the investigation will not be conclusive. Can such a sensitive and corrupt case of donation theft remain inconclusive? It is clear that much is being concealed at the trust level, and therefore, Champat Rai Bansal, Anil Mishra, and others also have an equal role in the crime! The police have also questioned Champat Rai and recorded his statement, but no FIR has been filed against him, nor has he been named as an accused. Why…? Surprisingly, the police raided the homes of eight accused. Cash, jewelry, and important documents are claimed to have been recovered.The accused's family members have also been questioned. Yet, why has the police not sought remand for the accused in court? Does the police know everything? Has the police gathered sufficient evidence? We believe this is a case of political pressure, protection of the accused, and collusion. The "big fish" must be afraid that these "small fish" might reveal the truth and get caught in the "crocodile" trap! It's also worth noting that the widespread and continuous theft at Lord Shri Ram's temple is still under investigation. However, Chief Minister Yogi Adityanath has raised the issue of the movement for the Shri Krishna Janmabhoomi temple in Mathura. An attempt has been made to implicate SP President Akhilesh Yadav in it. Could the theft of donations and offerings become a major issue in the 2027 assembly elections? The Ram Shilas, which were made of silver, should also be investigated. Along with the lamps and flowers, money was collected.

Seasons and Folklore: How Did Our Ancestors Live in the Summer? What Was the Indian Tradition Like?

Our folk life deeply understood the cycles of nature and, instead of conquering the seasons, learned to live in harmony with them and put them into practice. This is why every festival in the Indian calendar is associated with some seasonal change, and every custom is dedicated to faith in nature. Today, the entire world is grappling with problems like climate change, heat waves, drought, water scarcity, and irregular rainfall. Scientists and environmentalists, engaged in finding solutions to these problems, are formulating new theories like climate adaptation, nature-based solutions, and sustainable living. But when we look back, India's folk life had already incorporated these principles centuries ago, embodying a deep connection with nature in its traditions of festivals, fasts, food, farming, and social behavior.

Our folk life deeply understood the cycles of nature and, instead of conquering the seasons, learned to live in harmony with them and put them into practice. This is why every festival in the Indian calendar is linked to some seasonal change, and every custom is dedicated to faith in nature. In India, religion and nature have never been separate; the understanding of nature itself has taken the form of religion. The sun, moon, rivers, ponds, mountains, trees, plants, rain, fire, air, and even the earth itself have all been revered. This veneration stems not from any supernatural fear, but from the deep realization that human existence depends on nature. On a hot summer afternoon, when the earth seems to be on fire, the heat waves sap the moisture from the body, and fields, forests, and humans alike become restless, awaiting the first drops of monsoon. Indian folk life not only endures the weather but also communicates with it. This dialogue is still visible in our folk traditions, fasts, festivals, and customs, despite the overwhelming influx of modernity. At first glance, these may appear to be mere religious beliefs, but they hold profound scientific implications for weather, health, water conservation, food security, and the environment. Today, as climate change lengthens summers, heat waves become commonplace, and rainfall cycles become erratic, it's time to understand these traditions from a new perspective.

During the intense heat of Vaishakh and Jyeshtha, in many parts of the country, an earthen pot (Jal Dhara) is placed to ensure a continuous drip of water onto the Shivalinga. Religiously, this is considered a cooling abhishekam for Lord Shiva, but it also embodies a sensitivity to nature. The water dripping from the earthen pot draws our attention to the need to use water judiciously. The earthen pot itself keeps water cool and offers an excellent example of water conservation. This tradition likely developed when people understood the importance of every drop of water. Similarly, on the occasion of Nirjala Ekadashi, the tradition of donating a bamboo or palm leaf fan, an earthen pot or glass, sugar or jaggery sherbet, sattu mixed with gram and other grains, cucumber, mango, water, and other cool items still exists today. If we look closely, all these items are part of a preparation to protect against the intense heat, which may have evolved into a tradition of giving to those in need during the summer.

Nirjala Ekadashi is a folk version of the Heat Action Plan. This tradition was not merely a means of earning merit; it was a way to convey to society that foods that keep the body cool during the scorching heat should be accessible to everyone. Even those without resources found relief through this community arrangement.

The social form of what we call the "Heat Action Plan" today existed in our villages centuries ago. The Judha Sheetal or Sheetal Puja, celebrated in Bihar, Jharkhand, and eastern India, is also an extension of this scientific thinking. On this day,

cold food prepared at night, including curd-chura, sweet rice, mango, sattu, and other cooling foods, is consumed. Water is sprinkled in homes, trees are watered, and the message of providing coolness to nature is conveyed. This food is not just for taste, but a traditional nutritional science that keeps the body balanced in the summer heat. Curd promotes beneficial bacteria in the body, chura is easily digestible, jaggery provides minerals, and mango is a source of instant energy. This festivity is not limited to spiritual satisfaction, but also a way of collective adaptation to the changing weather. The most accurate example of this is the 'Satuani' festival celebrated at the end of Chaitra month, which directly prepares the body for the intense heat. On this day,

sattu, mango tikole (raw aamiya) chutney, and water from a pitcher are consumed collectively. On Akshaya Tritiya (Akha Teej), which follows immediately after this, there is a tradition of donating earthen pots, sattu (sattu), barley, and melons.

This tradition is not only a means of earning religious merit, but also a unique social structure to ensure the availability of natural resources and cool food that provide relief from the heat to every section of society. Worshiping under the banyan tree and fanning oneself with a hand fan on the occasion of Vat Savitri Vrat is not merely a religious ritual. The banyan tree provides extensive shade, lowers the ambient temperature, and maintains a large amount of humidity. Sitting under the tree itself is a natural cooling system. The tradition of fanning demonstrates that the body can be cooled without expending energy.

Today, when air conditioners are further increasing the heat in cities, hand fans and the shade of trees seem to be more sustainable solutions. In Indian society, the seasonal consumption of foods like water from earthen pots, sattu, wood apple sherbet, mango panna, curd, buttermilk, lassi, barley, and rice is also a result of this environmental understanding. A rich tradition of seasonal eating habits, a folk understanding of the season, is still evident in some form or another throughout India.

In this context, these proverbs by Ghagh and Bhaddari reflect the common understanding of nutrition and are a nutritional system developed in accordance with the local climate.

Jaggery in Chaitra, oil in Baisakh, wood apple in Jethe, and vine in Ashadh. Neither greens in Sawan nor curd in Bhadon, nor bitter gourd in Kwar nor Kartik month. Cumin in Agahan, coriander in Poose, sugar candy in Maghe, and gram in Phalgun.

The one who saves on these twelve meals, never visits the doctor.

Community participation is also an important aspect of folk traditions. Collectively, during the summer, setting up drinking water stalls for passersby, providing water for birds,

putting jaggery for ants, providing separate water for animals, and irrigating trees were considered religious duties. Today, when the existence of birds and wildlife is threatened due to climate change, these traditions become even more relevant. The most important aspect of these folk traditions is their "zero carbon" and completely local lifestyle. All the food items used in these festivals—such as sattu, mango panna, wood apple sherbet, barley, and buttermilk—are completely local. They require no refrigerators or heavy electricity to store or cool them, but instead utilize the traditional science of earthen pots and pitchers.

Today, when the entire world is looking for expensive and artificial ways to combat climate change and global warming, these centuries-old summer traditions offer a very practical and nature-friendly way to cool the body from within with minimal resources, without harming the environment.

Today, when the entire world is searching for a path to sustainable development, India's seasonal folk traditions, steeped in religious values, are not just a cultural heritage but can also serve as an inspiration for contemporary environmental policy. Our ancestors never dreamed of conquering nature; they learned to live in harmony with it. Perhaps this is why they linked festivals not to calendar dates but to the rhythms of the seasons, weaving them into stories and tales, imbuing them with religious significance and connecting virtue and sin so that society as a whole could seamlessly integrate into the fabric of nature.

If we forget these traditions, considering them relics of the past, we will not only lose our culture but also the philosophy of life that Indian civilization has learned to live in extraordinary harmony with nature over thousands of years. In these difficult times, this message of Indian folk life is most relevant: coexistence, not conflict, is the path to the future.

Unfortunately, modern lifestyles have relegated these traditions to mere rituals. As a result, we are moving away from the environmental and health knowledge inherent in them. If we understand these traditions from a scientific perspective, it becomes clear that they represent a complete way of life for living in harmony with the seasons.

Today, there is a need to view these folk traditions not as superstitions or rituals,

but as an Indian model of climate adaptation. Their scientific aspects should be taught in schools, the experiences of local communities should be documented, and traditional knowledge should be given its due place in modern climate policies.

If we re-understand these folk traditions as traditional climate knowledge, not just religious rituals, they can prove to be both inspiring and practical for addressing today's climate challenges. The greatest characteristic of Indian culture has been that it has not only considered the seasons as part of the calendar, but has made them the basis of a complete way of life.

Global efforts over the past five decades have demonstrated that solutions to climate challenges lie not only with cutting-edge technologies, but also in our seemingly simple traditions, which for centuries have worked to maintain a balance between humans, nature, and the seasons. Indian folk life, at every step, shows us that harmony with nature, not conquest, is the true path to sustainable development and a secure future.

ताज़ा खबरों के लिए देखे
WWW.KNLSLIVE.COM

प्रेम विवाह का खौफनाक अंत: पति दुबई गया तो देवर ने बनाया वीडियो, फिर तीन तलाक देकर घर से निकाला

महिला ने प्रेम विवाह के बाद पति समेत नौ लोगों पर दहेज उत्पीड़न, देवर द्वारा दुष्कर्म, जबरन गर्भपात और तीन तलाक देने का आरोप लगाया है। पुलिस ने सीओ के आदेश पर पति, देवर व अन्य ससुराल वालों सहित नौ आरोपियों के खिलाफ विभिन्न धाराओं में प्राथमिकी दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।महिला ने प्रेम विवाह के बाद दहेज उत्पीड़न, देवर पर दुष्कर्म, जबरन गर्भपात कराने और तीन तलाक देने के आरोप में पति समेत नौ लोगों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। नगर के मुहल्ला चक निवासी महिला ने पुलिस क्षेत्राधिकारी को दी शिकायत में बताया कि वर्ष 2022 में उसने मुरादाबाद निवासी मुहम्मद फईम से परिवार की इच्छा के विरुद्ध प्रेम विवाह किया था। आरोप है कि निकाह के कुछ समय बाद ही पति, सास, ससुर, जेठ और देवर दहेज में 20 लाख रुपये की मांग करने लगे। मांग पूरी न होने पर उसके साथ मारपीट और मानसिक उत्पीड़न किया गया। पीड़िता का आरोप है कि वर्ष 2023 में पति के दुबई चले जाने के बाद उसके देवर ने बाथरूम में नहाते समय उसका वीडियो बना लिया। वीडियो वायरल करने की धमकी देकर उसे दिल्ली के एक होटल में बुलाकर दुष्कर्म किया था। विरोध करने पर लगातार वीडियो वायरल करने की धमकी देता रहा। महिला का यह भी आरोप है कि गर्भवती होने की जानकारी मिलने पर ससुराल पक्ष ने जबरन गर्भपात करा दिया था।शिकायत के अनुसार, 16 मई को पति दुबई से लौटा और अपने साथ एक अन्य महिला को लाकर उससे निकाह करने की बात कही। विरोध करने पर आरोपितों ने मारपीट कर उसे घर में बंधक बना लिया था। 24 मई को कथित रूप से तीन तलाक देकर पहने हुए कपड़ों में ही घर से निकाल दिया। कोतवाल अनुपम शर्मा ने बताया कि सीओ के आदेश पर कोतवाली पुलिस ने पति मुहम्मद फईम, देवर फैजी, वसीम, नदीम, जेठ तसलीम, नईम, सास मीना, ससुर मुहम्मद सलीम तथा निकहत नामक महिला के खिलाफ दहेज उत्पीड़न, दुष्कर्म, मारपीट, आपराधिक धमकी, गर्भपात कराने और मुस्लिम महिला विवाह पर अधिकारों का संरक्षण अधिनियम समेत अन्य संबंधित धाराओं में प्राथमिकी दर्ज कर विवेचना शुरू कर दी है।

रामपुर का वो थप्पड़ कांड जिसने ली थी वकील की जान, अब कोर्ट में शुरू हुआ खूनी खेल का ट्रायल

रामपुर के जिला पंचायत कार्यालय में 11 फरवरी को वकील फारुख अहमद खान की हत्या के मामले में कोर्ट में ट्रायल शुरू हो गया है। क्लर्क असगर अली पर आरोप तय हो चुके हैं और मामले में 20 जुलाई को गवाही होगी।11 फरवरी को दिनदहाड़े जिला पंचायत में क्लर्क ने लाइसेंस पिस्टल से चलाई थी गोली घटना के विरोध में कई दिन हड़ताल पर रहे थे अधिवक्ता, हाईवे भी किया था जामशहर के चर्चित अधिवक्ता फारुख अहमद खान की हत्या के मामले में न्यायालय में ट्रायल शुरू हो गया है। इसमें 20 जुलाई को गवाही होगी। न्यायालय द्वारा अधिवक्ता की हत्या में जिला पंचायत के क्लर्क असगर अली पर आरोप तय किए जा चुके हैं। क्लर्क पर अधिवक्ता की हत्या का आरोप होने के कारण उसकी पैरवी करने के लिए कोई स्थानीय अधिवक्ता तैयार नहीं है। ऐसे में चीफ लीगल एड डिफेंस काउंसिल द्वारा क्लर्क की ओर से पैरवी की जा रही है। डिप्टी चीफ डिफेंस काउंसिल हेमंत जोशी ने बताया कि इस मामले में सोमवार को भी सुनवाई होनी थी, लेकिन न्यायालय के अवकाश पर होने के चलते गवाह नहीं आया। अब इस मामले में 20 जुलाई को सुनवाई होगी।हत्या की वारदात 11 फरवरी को जिला पंचायत में हुई थी। अधिवक्ता की पत्नी गोसिया जिला पंचायत में क्लर्क हैं। जिला पंचायत में ही स्थापना पटल पर नियुक्त लिपिक असगर अली की विलंब से आने को लेकर अधिवक्ता की पत्नी से कहासुनी हुई थी।पत्नी के फोन करने पर अधिवक्ता अपने साथी को लेकर जिला पंचायत कार्यालय पहुंचे थे। यहां उन्होंने हत्यारोपित असगर के तीन थप्पड़ जड़ दिए थे। इसके बाद दोनों के बीच हुई गुत्थमगुत्थी में लिपिक असगर ने अपने लाइसेंसी पिस्टल से गोली मारकर अधिवक्ता फारुख की हत्या कर दी थी। पेट में गोली लगने से असगर खुद भी घायल हो गया था। मृतक की पत्नी की ओर से असगर और अपर मुख्य अधिकारी नीरज रस्तोगी के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज हुई थी। महिला क्लर्क ने आरोप लगाया था कि अपर मुख्य अधिकारी के इशारे पर असगर ने उनके पति की गोली मारकर हत्या की थी। पुलिस ने इस मामले में हत्यारोपित क्लर्क को जेल भेज दिया था। घटना के विरोध में अधिवक्ता कई दिन तक हड़ताल पर रहे थे। अधिवक्ताओं ने हाईवे भी जाम किया था। आसपास के जिलों में भी घटना को लेकर अधिवक्ताओं ने विरोध प्रदर्शन किया था। इस मामले में पुलिस ने विवेचना पूरी कर क्लर्क के खिलाफ आरोप पत्र न्यायालय में दाखिल कर दिए थे। छह जून को न्यायालय ने क्लर्क पर आरोप तय कर दिए थे और मुकदमा ट्रायल पर आ गया है।

तालीमी इदारों को निशाना न बनाए सरकार, आजम खान से तल्खी के बीच जौहर यूनिवर्सिटी के बचाव में उतरे सांसद मोहिबुल्ला नदवी

सांसद मोहिबुल्ला नदवी ने आजम खान से तल्खी के बावजूद जौहर यूनिवर्सिटी पर हो रही कार्रवाई का विरोध किया है। उन्होंने कहा कि तालीमी इदारों को निशाना नहीं बनाना चाहिए और यह यूनिवर्सिटी सपा का ड्रीम प्रोजेक्ट है।सांसद नदवी ने जौहर यूनिवर्सिटी पर कार्रवाई का विरोध किया। तालीमी इदारों को निशाना न बनाएं, यूनिवर्सिटी सपा का ड्रीम प्रोजेक्ट।- आजम खान की रिहाई की दुआ, 2027 में सरकार बदलने का दावा।आजम खान और सांसद मोहिबुल्ला नदवी के बीच अक्सर होने वाली जुबानी जंग से सपा दो खेमों में बंट गई है। इस गुटबाजी के बीच रविवार को सांसद ने आजम खान की हिमायत की। उनकी यूनिवर्सिटी को लेकर होने वाली कार्रवाई का विरोध जताया। सांसद ने सौलत पब्लिक लाइब्रेरी में हुए एक कार्यक्रम में मीडिया से बातचीत में जौहर यूनिवर्सिटी पर आयकर विभाग द्वारा की गई कार्रवाई को लेकर कहा कि तालीमी इदारों को निशाना नहीं बनाना चाहिए। तालीमी इदारे सभी के लिए हैं। रामपुर में जौहर यूनिवर्सिटी की स्थापना बड़ी मेहनत से हुआ है, जिसका बाकी रहना जरूरी है। सरकार को इसमें कोई अड़चन नहीं डालनी चाहिए।बोले-तालीमी इदारों को निशाना न बनाए सरकार-सांसद बोले, आरडीए द्वारा हाई कोर्ट में कैविएट दाखिल करने के सवाल पर कहा कि हमने पता निकाला है कि यूनिवर्सिटी बनने के वक्त आरडीए यहां नहीं था। बाद में आया है। उस दौरान अन्य जो भी विभाग थे, उन सभी की परमीशन ली गई थी। हम अपील करते हैं कि यूनिवर्सिटी को कोई नुकसान न पहुंचाया जाए।यूनिवर्सिटी सपा का ड्रीम प्रोजेक्ट है- यूनिवर्सिटी सपा का ड्रीम प्रोजेक्ट है। सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव और पूर्व मुख्यमंत्री मुलायम सिंह यादव ने इस यूनिवर्सिटी की सरपरस्ती की है। आजम खान ने इसके लिए बहुत मेहनत की है। पूरे प्रदेश के हिंदू और मुसलमान इस यूनिवर्सिटी के हमदर्द हैं। यूनिवर्सिटी सबकी होती है। एक

तालीम का मर्कज होती हैं। तालीम के मर्कज को बचाना सरकार की जिम्मेदारी होती है। प्रदेश सरकार का काम यह नहीं है कि इसमें रोड़ा अटकाए। आजम खान के जेल में होने को लेकर कहा कि हम सभी उनकी रिहाई की दुआ करते हैं। उन पर जो मुकदमे लगे हैं, उन पर अदालतों से उन्हें इंसाफ मिलेगा। 2027 चुनाव के लिए कही ये बात- आगामी विधानसभा चुनाव को लेकर कहा कि चुनाव को लेकर अवाम और सपा की तैयारी एक है। सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने सामाजिक न्याय के राज की स्थापना का ख्वाब देखा है, वह पूरा होगा। 2027 में सरकार बदलेगी और मौजूदा भ्रष्टाचार खत्म होगा। राम मंदिर में चढ़ावे की चोरी को लेकर कहा कि धार्मिक स्थल पर आने वाले चढ़ावे में चोरी करोड़ो लोगों की आस्था के साथ खिलवाड़ है। नीट के पर्चे लीक होना और मंदिरों से चढ़ावा चोरी होना, इस तरह की घटनाओं से लोगों का हुकूमत से विश्वास उठ गया है। सपा नेता आजम का विरोध करते आए हैं मोहिबुल्ला - गौरतलब है कि सपा नेता आजम खान शुरू से ही सांसद मोहिबुल्ला नदवी का विरोध करते आए हैं। नदवी नई दिल्ली की पार्लियामेंट स्ट्रीट मस्जिद के इमाम थे। पिछले लोकसभा चुनाव में सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने आजम खान की मर्जी के बगैर नदवी को रामपुर से प्रत्याशी घोषित कर दिया था। सीतापुर जेल में आजम ने मिलने से किया था मना - आजम खान तब सीतापुर जेल में बंद थे। उनके इशारे पर स्थानीय सपाइयों ने नदवी को चुनाव नहीं लड़ाया था। बावजूद इसके वह चुनाव जीत गए थे। सीतापुर जेल से आजम खान के रिहाई के बाद आठ अक्टूबर 2025 को अखिलेश यादव उनसे मिलने रामपुर आए थे। तब अखिलेश यादव के साथ सांसद भी लखनऊ से आ रहे थे, लेकिन आजम खान ने साफ कह दिया था कि अखिलेश यादव से उनकी मुलाकात के दौरान कोई तीसरा मौजूद नहीं रहेगा। तब सांसद बरेली में अखिलेश यादव से अलग हो गए थे।आजम खान ने दावा किया था कि वह मोहिबुल्लाह नदवी नाम के किसी व्यक्ति को नहीं जानते- इसके बाद आजम खान और सांसद के बीच जुबानी जंग तेज हो गई थी। आजम खान ने सार्वजनिक रूप से दावा किया था कि वह मोहिबुल्लाह नदवी नाम के किसी व्यक्ति को नहीं जानते। इसके जवाब में सांसद नदवी ने पलटवार करते हुए कहा था कि आजम के न जानने से उन्हें कोई फर्क नहीं पड़ता, क्योंकि रामपुर की जनता उन्हें पहचानती है।नदवी ने तंज कसा था कि जो व्यक्ति अपने शहर के इमाम को नहीं पहचानता, वह उन्हें कैसे जानेगा। नदवी ने आजम खान का नाम लिए बिना यह भी कहा था कि वह किसी से डरने वाले नहीं हैं और शराफत को उनकी कमजोरी न समझा जाए।

बरेली-सहारनपुर में झमाझम बारिश, लखनऊ में छाए बादल, मौसम विभाग का सभी 75 जिलों में अलर्ट

पश्चिमी और पूर्वी यूपी, दोनों क्षेत्रों में जोरदार बारिश के आसार हैं। आठ जिलों में भारी बारिश की संभावना जताई गई है। मौसम विभाग ने अलर्ट जारी किया है। सहारनपुर, प्रयागराज, चंदौली, बरेली समेत अन्य जनपदों में रात से सुबह तक बारिश देखने को मिली।उत्तर प्रदेश में उमस भरी गर्मी से बड़ी राहत मिलने वाली है। मानसून के रफ्तार पकड़ते ही प्रदेश के अधिकांश हिस्से में बादल छा गए। बरेली, सहारनपुर, प्रयागराज, चंदौली समेत कई अन्य जिलों में में झमाझम बारिश देखने को मिली। मौसम विभाग ने मंगलवार के लिए सभी 75 जिलों के लिए अलर्ट जारी किया है। आठ जिलों में भारी बारिश की संभावना है। बाकी हिस्से में भी बारिश होने के ज्यादा आसार हैं। राजधानी लखनऊ में मंगलवार को हल्की बूंदाबांदी हुई। रात से ही उमड़ते बादल सुबह तक छाए रहे। उमस भरी गर्मी से बेहाल आमजन को काफी राहत मिली। हालांकि लखनऊ में मानसून की एक जोरदार बारिश का इंतजार हो रहा है। 7 जुलाई की सुबह चंदौली, वाराणसी, सहारनपुर में खूब बारिश हुई है। मौसम विभाग ने मंगलवार-7 जुलाई को प्रदेश के अधिकांश हिस्से में बारिश की संभावना जताई है। 30 जून को मानसून की दस्तक-यूपी में मानसून ने 30 जून को दस्तक दी थी। जोरदार बारिश के साथ मानसून का आगाज हुआ। तराई के जिले पहली बारिश से तर हो गए। दो दिन तक बारिश का दौर चला, उसके बाद ठिठक गया। उमस भरी गर्मी बेहाल करने लगी। मानसून के रूठने से किसान भी परेशान होने लगे। मौसम विभाग ने सात जुलाई से मानसून के सक्रिय होने की उम्मीद जताई थी। इसी क्रम में मंगलवार को प्रदेशभर का मौसम सुहाना हो गया। रात तक कई जगहों पर बारिश होने के आसार हैं। वाराणसी स्टेशन पर टपकने लगी छत- वाराणसी में जोरदार बारिश ने मौसम खुशनुमा कर दिया। हालांकि यहां बारिश के दौरान रेलवे स्टेशन की छत से पानी टपकने लगा। यात्रियों ने इसका वीडियो बनाकर शेयर किया है। काशी के रेलने स्टेशन की इस हालात को देखकर लोग आलोचना भी कर रहे हैं।

संक्षिप्त समाचार

इराक के बाद सिर्फ यूपी में है ये दुर्लभ कुरान! अब कैलिफोर्निया में बैठे-बैठे एक क्लिक पर पढ़ सकेंगे शोधार्थी

रजा पुस्तकालय रामपुर अपनी 16,000 पांडुलिपियों को डिजिटाइज कर रहा है, जिससे शोधार्थी दुनिया भर से एक क्लिक पर दुर्लभ सामग्री का अध्ययन कर सकेंगे। यह पहल पुस्तकालय की विश्वस्तरीय धरोहर, जिसमें ऊंट की खाल पर लिखी कुरान भी शामिल है।केंद्र सरकार के संस्कृति मंत्रालय से %राष्ट्रीय महत्व का संस्थान% घोषित व देश के नामचीन पुस्तकालयों में शुमार रामपुर रजा पुस्तकालय एवं संग्रहालय सात समंदर पार बैठे शोधार्थियों के लिए भी मददगार साबित होगा। प्रतिवर्ष विभिन्न विषयों पर शोध के लिए बड़ी संख्या में शोधार्थी यहां देश-विदेश से आते हैं। अब रजा पुस्तकालय प्रबंधन सभी 16 हजार पांडुलिपियों को डिजिटलाइज कर रहा है। इनमें 11 हजार पांडुलिपियां डिजिटलाइज हो चुकी हैं। रामपुर रियासत के संस्थापक नवाब फैजुल्ला खान की ओर से वर्ष 1774 में स्थापित कराई गई, दुर्लभ व ऐतिहासिक महत्व की पांडुलियों को संजोये रजा लाइब्रेरी की गिनती विश्वस्तरीय पुस्तकालयों में होती है। शोधार्थियों के लिए यह महत्वपूर्ण अध्ययन केंद्र है।यहां मौजूद सैकड़ों वर्ष पुरानी पांडुलिपियों का संरक्षण भी प्रबंधन के लिए बड़ी चुनौती है। ऐसे में पुस्तकालय प्रबंधन सभी पांडुलिपियों को डिजिटलाइज करा रहा है। रजा पुस्तकालय के निदेशक डॉ. पुष्कर मिश्र बताते हैं कि डिजिटलाइजेशन का काम पूरा होते ही केंद्रीय संस्कृति मंत्रालय की संस्तुति के साथ वेबसाइट तैयार कराई जाएगी। इस वेबसाइट पर सभी पांडुलिपियों का डिजिटल वर्जन संरक्षित कर दिया जाएगा। इसके बाद विदेश में बैठे शोधार्थी भी एक क्लिक पर मनचाही पांडुलिपियों का अध्ययन कर अपना शोध कार्य पूर्ण कर सकेंगे। पुस्तकालय एवं संग्रहालय में विभिन्न दुर्लभ कलाकृतियां, चित्र तथा ऐतिहासिक धरोहर भी संरक्षित हैं। इनमें ऊंट की खाल पर हजरत अली के हाथ की लिखी बेशकीमती कुरान भी शामिल है, जिसकी पूरे विश्व में केवल दो प्रतियां हैं। इनमें एक यहां और दूसरी इराक में है। इसी तरह फारसी भाषा में वाल्मीकि रामायण व मंगोलिया का इतिहास आदि भी संरक्षित हैं। रंग महल व हामिद मंजिल होंगे आधुनिक- रजा लाइब्रेरी के भवनों को विश्वस्तरीय अध्ययन केंद्र बनाने की तैयारी भी जोरों पर है। निदेशक डा. पुष्कर मिश्र ने बताया कि लाइब्रेरी भवन के रंग महल और हामिद मंजिल का जीर्णोद्धार कराया जाएगा। यहां पर शोधार्थियों को बैठकर पांडुलिपियों का अध्ययन करने के लिए सभी आधुनिक सुविधाएं मौजूद रहेंगी। इसके साथ ही परिसर में लगे फाउंटेन भी पुनर्निर्मित कराए जाएंगे। 350 शोधार्थी हर साल पांडुलिपियों की तलाश में आते हैं लाइब्रेरी-रामपुर की प्रसिद्ध रजा लाइब्रेरी में प्रतिवर्ष लगभग 350 शोधार्थी ज्ञान और दुर्लभ पांडुलिपियों की तलाश में आते हैं, जिनमें 29 से अधिक विदेशी शोधकर्ता शामिल होते हैं। यह पुस्तकालय भारत और विदेश के तमाम शोधकर्ताओं के लिए एक प्रमुख केंद्र है। यहां अरबी, फारसी, संस्कृत, हिंदी और उर्दू जैसी प्राचीन भाषाओं की लगभग 16,000 से अधिक पांडुलिपियां और 60,000 से अधिक मुद्रित पुस्तकें सहेजी गई हैं। कैलिफोर्निया यूनिवर्सिटी की डॉ. अदिति बोलीं, विश्वस्तरीय है रजा लाइब्रेरी यूनिवर्सिटी आफ कैलिफोर्निया में 13 वर्षों से आर्ट एंड आर्किटेक्चरल हिस्ट्री पढ़ा रहीं डॉ. अदिति चंद्रा मुगल गार्डेन एंड वुमेन विषय पर शोध कर रही हैं। इसके लिए वह लंबे समय से रजा लाइब्रेरी के संपर्क में हैं। फिलहाल तीन दिन के लिए रामपुर आई हैं। वह बताती हैं कि उनके शोध के विषय के अनुकूल इस लाइब्रेरी में महत्वपूर्ण पांडुलिपियां मौजूद हैं। कहा कि प्राचीनतम पांडुलिपियों के लिहाज से ये लाइब्रेरी वास्तव में विश्वस्तरीय है। इन पां डुलिपियों का डिजिटल वर्जन विदेश में भी घर बैठे शोध करने में बहुत सहायक सिद्ध होगा।

दैनिक अखबार क्यूँ न लिखूँ सच को जिला एवं तहसील स्तर पर ब्योरो संवाददाता व विज्ञापन प्रतिनिधि चाहिए
9027776991
knlslive@gmail.com

क्यूँ न लिखूँ सच

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक नरेश राज शर्मा द्वारा ए0एच0प्रिंटर्स, ए-11, असालतपुरा, लंगड़े की पुलिया, मुरादाबाद-244001(उत्तर प्रदेश) से छपवाकर कार्यालय म.नं. 210 खा सीतापुरी, डबलफाटक जनपद-मुरादाबाद (उत्तर प्रदेश) से प्रकाशित एवं वितरित किया।

संपादक - नरेश राज शर्मा
मो. 9027776991
RNI NO- UPBIL/2021/83001

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादक हेतु पीआरबी एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी होंगे तथा समस्त विवाद मुरादाबाद न्यायालय के अधीन होंगे।

ज़्यूँ न लिखूँ सच समाचार पत्र में सभी पद अवैतनिक है

15 दिन की बंदी, पहले ही दिन जनता बेहाल ! सुभाषनगर पुलिया बंद होते ही क्षेत्रवासी जाम से परेशान

क्यूँ न लिखूँ सच / ब्यूरो / बरेली। नाला सफाई के लिए सुभाषनगर पुलिया को 15 दिनों के लिए बंद किए जाने का असर पहले ही दिन देखने को मिला। सुभाषनगर, चौपुला, बदायूं रोड और आसपास के इलाकों में लंबा जाम लग गया। स्कूल जाने वाले बच्चों, नौकरीपेशा लोगों और व्यापारियों को 20 से 30 मिनट अतिरिक्त समय लग रहा है। पुलिया बंद होने से वाहनों का दबाव संकरी गलियों पर बढ़ गया, जिससे कई जगह एंबुलेंस तक फंस गई। स्थानीय लोगों ने ट्रैफिक पुलिस से बेहतर डायवर्जन और अतिरिक्त व्यवस्था की मांग की है। उनका कहना है कि पर्याप्त सूचना और संकेतक बोर्ड न होने से बाहरी वाहन भी गलियों में घुसकर जाम बढ़ा रहे हैं। नगर निगम का कहना है कि यह परेशानी अस्थायी है। वर्षों से लंबित नाला सफाई कराई जा रही है ताकि बरसात में जलभराव से स्थायी राहत मिल सके। वहीं क्षेत्रवासियों ने मांग की है कि सफाई कार्य युद्धस्तर पर और 24 घंटे की शिफ्ट में कराया जाए, ताकि पुलिया तय समय से पहले शुरू हो सके।

विधायक डॉ. एमपी आर्या ने दिखाई हरी झंडी, शिक्षा और जागरूकता का दिया संदेश

क्यूँ न लिखूँ सच / ब्यूरो /बरेली। विकासखंड भदपुरा में मंगलवार को नवाबगंज विधायक डॉ. एमपी आर्या की मौजूदगी में स्कूल चलो अभियान-फेज 2 का शुभारंभ जागरूकता रैली के साथ किया गया। खंड शिक्षा अधिकारी विजय कुमार के निर्देशन में प्राथमिक व उच्च प्राथमिक विद्यालय क्योलड़िया के करीब 200 छात्र-छात्राओं और 100 से अधिक शिक्षकों ने रैली निकालकर शिक्षा, संचारी रोग नियंत्रण और दस्तक अभियान का संदेश दिया। विधायक डॉ. एमपी आर्या ने कहा कि सरकार गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और पोषणयुक्त भोजन उपलब्ध करा रही है। उन्होंने एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत पौधारोपण भी किया। खंड शिक्षा अधिकारी विजय कुमार ने बताया कि विकासखंड में शत-प्रतिशत नामांकन सुनिश्चित करने के साथ स्मार्ट क्लास, नवाचार आधारित शिक्षण और बारिश के मौसम में संचारी रोगों से बचाव के प्रति भी लोगों को जागरूक किया जा रहा है। कार्यक्रम का संचालन शिक्षिका राखी गंगवार ने किया, जबकि बड़ी संख्या में शिक्षक, जनप्रतिनिधि और अधिकारी उपस्थित रहे।

उमस भरी गर्मी से परेशान रहे लोग

क्यूँ न लिखूँ सच / कोंच(जालौन)। कोंच क्षेत्र में बीते दो तीन दिनों से हल्की बूंदाबांदी हो जाने के कारण उमस बढ़ गई और इस उमस बढ़ने के चलते लोग परेशान हो गये इस उमस भरी गर्मी के कारण बिजली की आपूर्ति भी बार बार कटौती हो रही है जिससे लोग काफी परेशान दिख रहे है इस उमस भरी गर्मी में इस बार कम बारिश हो रही है कम बारिश होने से रोज उमस से घर परिवार की महिलाएं बच्चों की हालत खराब हो रही है जिस कारण इन लोगों का स्वास्थ्य बिगड़ रहा है हालत यह है कि लोग बीमार हो रहे और प्राइवेट अस्पतालों के अलावा सरकारी अस्पताल में इलाज कराने पर मजबूर है फिलहाल कोंच क्षेत्र में कम बारिश होने से अभी गर्मी और उमस से राहत नहीं मिल पा रही है

पुलिस लाइन में परेड से प्रशिक्षण तक हर मोर्चे पर एसपी साउथ की पैनी नजर, अनुशासन और जवाबदेही पर फोकस, SP अंशिका वर्मा का सख्त संदेश

क्यूँ न लिखूँ सच / ब्यूरो / बरेली। पुलिस लाइन परेड ग्राउंड में मंगलवार को एसपी साउथ अंशिका वर्मा ने परेड का निरीक्षण कर जवानों की कदमताल, अनुशासन और टर्नआउट का बारीकी से जायजा लिया। उन्होंने अधिकारियों को पुलिस बल की कार्यक्षमता और बेहतर बनाने के निर्देश दिए।परेड के बाद एसपी साउथ ने पुलिस लाइन परिसर, बैरकों, कार्यालयों और साफ-सफाई व्यवस्था का निरीक्षण किया। जहां कमियां मिलीं, वहां संबंधित अधिकारियों को तत्काल सुधार के निर्देश दिए और जवानों के लिए बेहतर कार्य वातावरण सुनिश्चित करने पर जोर दिया। निरीक्षण के दौरान प्रशिक्षु मुख्य आरक्षियों से संवाद कर प्रशिक्षण की गुणवत्ता और व्यवहारिक चुनौतियों की जानकारी ली। उन्होंने कहा कि हर पुलिसकर्मी को हर परिस्थिति में जिम्मेदारी निभाने के लिए तैयार रहना चाहिए। इसके बाद आयोजित अर्दली रूम में कर्मचारियों की समस्याएं सुनकर लंबित मामलों के शीघ्र निस्तारण के निर्देश दिए। एसपी साउथ ने स्पष्ट किया कि नियमित निरीक्षण से अनुशासन, जवाबदेही और पुलिस व्यवस्था लगातार मजबूत होती है।

राम मंदिर चढ़ावा विवाद पर कांग्रेस का शक्ति प्रदर्शन, शहर में पदयात्रा निकालकर न्यायिक जांच की मांग

क्यूँ न लिखूँ सच / ब्यूरो / बरेली। जिला कांग्रेस कमेटी और महानगर कांग्रेस कमेटी ने मंगलवार को जिलाध्यक्ष असफाक सकलेनी और महानगर अध्यक्ष दिनेश दद्दा के नेतृत्व में गांधी मूर्ति से सिविल लाइंस स्थित हनुमान मंदिर तक पदयात्रा निकाली। इसके बाद आयोजित सभा में नेताओं ने अयोध्या के श्रीराम मंदिर के चढ़ावे में कथित वित्तीय अनियमितताओं की निष्पक्ष जांच की मांग उठाई। कांग्रेस नेताओं ने कहा कि श्रीराम मंदिर करोड़ों श्रद्धालुओं की आस्था का केंद्र है। ऐसे में कथित वित्तीय अनियमितताओं की जांच उच्च न्यायालय के सिटिंग जज की निगरानी में कराई जाए, वर्तमान ट्रस्ट को भंग कर मंदिर संचालन की जिम्मेदारी शंकराचार्यों और संतों को सौंपी जाए। जिलाध्यक्ष असफाक सकलेनी ने कहा कि आस्था से जुड़े मामलों में पूरी पारदर्शिता जरूरी है। महानगर अध्यक्ष दिनेश दद्दा ने आरोप लगाया कि सरकार दोषियों को बचाने का प्रयास कर रही है और नैतिक आधार पर मुख्यमंत्री व गृहमंत्री से इस्तीफे की मांग की। प्रदेश उपाध्यक्ष प्रेम प्रकाश अग्रवाल, प्रदेश प्रवक्ता के.बी. त्रिपाठी और पूर्व महानगर अध्यक्ष इलियास अंसारी ने भी निष्पक्ष जांच और दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की। कार्यक्रम में कांग्रेस के कई पदाधिकारी और कार्यकर्ता मौजूद रहे।

श्रीहरि मंदिर में गूंजा हनुमान भक्ति का जयघोष,भजनों और हनुमान चालीसा से भक्तिमय हुआ माहौल

क्यूँ न लिखूँ सच / ब्यूरो / बरेली। मॉडल टाउन स्थित श्रीहरि मंदिर में मंगलवार को श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी। सुबह पंडित सुनील शास्त्री ने विधि-विधान से श्री हनुमान जी का पूजन और भव्य श्रृंगार कराया। शाम को श्री हरि संकीर्तन मंडल ने एक से बढ़कर एक भजनों की प्रस्तुति देकर पूरे मंदिर परिसर को भक्तिरस में सराबोर कर दिया। इसके बाद श्रद्धालुओं ने सामूहिक हनुमान चालीसा का पाठ किया, आरती में भाग लिया और भंडारा प्रसाद ग्रहण किया। मंदिर सचिव रवि छाबड़ा ने बताया कि यह आयोजन कई वर्षों से निरंतर हो रहा है, जिसमें युवाओं की बढ़ती भागीदारी उत्साहजनक है। कार्यक्रम में मंदिर पदाधिकारी, महिला मंडल, युवा मंडल और बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे।

प्रिय सुधि पाठको आप अपना यहाँ शुभकामना सन्देश (Birthday, anniversary, any kind of message) कम कीमत में विज्ञापन छपवाए - 9027776991

संक्षिप्त समाचार

70+ बुजुर्गों के आयुष्मान कार्ड, वृक्षारोपण की जियो टैगिंग और अस्पतालों की निगरानी पर करें फोकस

क्यूँ न लिखूँ सच / ब्यूरो / ,बरेली। मंडलायुक्त भूपेन्द्र एस. चौधरी की अध्यक्षता में मंडलीय समीक्षा बैठक मंगलवार को आयोजित हुई। बैठक में 12 जुलाई से शुरू होने वाले वृक्षारोपण अभियान की तैयारियों की समीक्षा करते हुए सभी विभागों को लक्ष्य के अनुरूप शत-प्रतिशत पौधारोपण, उच्च गुणवत्ता के पौधे लगाने और उनकी जियो टैगिंग सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। मंडलायुक्त ने 70 वर्ष से अधिक आयु के लोगों के आयुष्मान गोल्डन कार्ड प्राथमिकता से बनाने, अस्पतालों में डॉक्टरों की नियमित उपस्थिति की जांच, अग्नि सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित करने तथा फार्मर रजिस्ट्री और फैमिली आईडी के कार्य में तेजी लाने के निर्देश भी दिए। संचारी रोग नियंत्रण अभियान की समीक्षा करते हुए उन्होंने डेंगू और मलेरिया प्रभावित गांवों में फॉगिंग, साफ-सफाई और आशा कार्यकर्ताओं की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करने को कहा। साथ ही स्कूल चलो अभियान, किताबों के वितरण, छुट्टा गोवंशों के संरक्षण, स्टाम्प रजिस्ट्रेशन, राजस्व वसूली और संभावित बाढ़ से निपटने की तैयारियों की भी विस्तार से समीक्षा कर संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए।

आधार लिंक व डीबीटी इनेबल बैंक खाता एक सप्ताह में कराएं तैयार, नहीं रुकेगी आर्थिक सहायता

क्यूँ न लिखूँ सच / ब्यूरो / बरेली। महिला कल्याण विभाग ने उत्तर प्रदेश मुख्यमंत्री बाल सेवा योजना (सामान्य) के सभी लाभार्थियों से अपील की है कि योजना की आर्थिक सहायता अब सीधे बच्चों के बैंक खाते में डीबीटी के माध्यम से भेजी जाएगी। जिन बच्चों का बैंक खाता अभी तक नहीं खुला है या डीबीटी सक्रिय नहीं है, उनके अभिभावक एक सप्ताह के भीतर आधार लिंक बैंक खाता खुलवाकर डीबीटी इनेबल कराएं। अधिक जानकारी या सहायता के लिए जिला प्रोबेशन कार्यालय से संपर्क किया जा सकता है।

बरेली में मिलेगी हेड एंड नेक कैंसर विशेषज्ञों की ओपीडी, मैक्स हॉस्पिटल वैशाली ने शुरू की नई सेवा

क्यूँ न लिखूँ सच / ब्यूरो / बरेली। बरेली जिले के आसपास क्षेत्र के मरीजों के लिए राहत भरी खबर है। अब हेड एंड नेक कैंसर के इलाज के लिए बार-बार दिल्ली-एनसीआर जाने की जरूरत नहीं पड़ेगी। मैक्स सुपर स्पेशियलिटी हॉस्पिटल, वैशाली ने श्रीजी गोल्डन हॉस्पिटल, बरेली में विशेष हेड एंड नेक कैंसर ओपीडी सेवाओं की शुरुआत की है। मैक्स इंस्टीट्यूट ऑफ कैंसर केयर के वरिष्ठ विशेषज्ञ डॉ. सौरभ कुमार अरोड़ा और डॉ. भव्या मिश्रा अब हर महीने के पहले मंगलवार को बरेली में मरीजों को परामर्श और फॉलो-अप सेवाएं देंगे। डॉ. अरोड़ा ने कहा कि मुंह में लंबे समय तक घाव, आवाज बैठना, निगलने में परेशानी या गर्दन में गांठ जैसे लक्षणों को नजरअंदाज न करें। समय पर जांच और इलाज से कैंसर पूरी तरह ठीक होने की संभावना काफी बढ़ जाती है। वहीं डॉ. भव्या मिश्रा ने बताया कि इस ओपीडी के माध्यम से बरेली और आसपास के मरीजों को विशेषज्ञ सलाह, सेकेंड ओपिनियन और बेहतर उपचार योजना अपने शहर के करीब ही उपलब्ध होगी।

बरसात में गौवंशों की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता, लापरवाही पर होगी कड़ी कार्रवाई - जिलाधिकारी

क्यूँ न लिखूँ सच / गोशालाओं में कीचड़ न होने, पर्याप्त चारा उपलब्ध रखने, सड़कों पर घूम रहे गोवंशों को तत्काल संरक्षित करने और पशु छोड़ने वालों पर जुर्माना लगाने के निर्देश बरसात के मौसम में गौवंशों की सुरक्षा एवं गौशालाओं की व्यवस्थाओं को लेकर जिलाधिकारी राजेश कुमार पाण्डेय ने आज कलेक्ट्रेट सभागार से वर्चुअल माध्यम से मुख्य विकास अधिकारी, समस्त उप जिलाधिकारियों, खण्ड विकास अधिकारियों, मुख्य पशु चिकित्साधिकारी, समस्त गौशाला नोडल अधिकारियों एवं संबंधित अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक कर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने कहा कि वर्षा ऋतु के दौरान किसी भी गौशाला में कीचड़ अथवा जलभराव की स्थिति नहीं होनी चाहिए। इसके लिए सभी संबंधित अधिकारी समय रहते जल निकासी, साफ-सफाई एवं अन्य आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करें, ताकि गौवंशों को किसी प्रकार की परेशानी का सामना न करना पड़े। उन्होंने निर्देशित किया कि सभी गौशालाओं में चना, चोकर, खली, हरा चारा, स्वच्छ पेयजल सहित अन्य आवश्यक संसाधनों की पर्याप्त व्यवस्था हर समय बनी रहे। पशु चिकित्सकों द्वारा नियमित स्वास्थ्य परीक्षण एवं उपचार भी सुनिश्चित किया जाए। जिलाधिकारी ने कहा कि बरसात के समय निजी पशुपालकों द्वारा छोड़े गए गोवंश अक्सर सड़कों पर घूमते मिलते हैं, जिससे दुर्घटनाओं की आशंका बढ़ जाती है। ऐसे गोवंशों को तत्काल चिन्हित कर कैटल कैचर के माध्यम से निकटतम गौशालाओं में सुरक्षित पहुंचाया जाए। साथ ही जिन निजी पशुपालकों द्वारा अपने पशुओं को सड़कों पर छोड़ा जाता है, उनके विरुद्ध पशु क्रूरता अधिनियम के तहत नियमानुसार कार्रवाई करते हुए जुर्माना लगाया जाए। उन्होंने बताया कि झोलूपुर, कैथेरी, छिरिया, एट, बोहदपुरा, राहिया सहित अन्य संवेदनशील स्थानों को चिन्हित कर विशेष सचल दल गठित किए गए हैं। ये दल कैटल कैचर के साथ लगातार भ्रमणशील रहेंगे और निराश्रित गोवंशों को सुरक्षित गौशालाओं तक पहुंचाने का कार्य करेंगे। संबंधित अधिकारियों को इन दलों की नियमित मॉनिटरिंग सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए गए। जिलाधिकारी ने यह भी निर्देशित किया कि जिन गौशालाओं का अन्य गौशालाओं में विलय (मर्जर) हो चुका है और जो वर्तमान में रिक्त हैं, वहां व्यापक स्तर पर वृक्षारोपण कराया जाए, ताकि उन परिसरों का पर्यावरण संरक्षण एवं जनहित में बेहतर उपयोग सुनिश्चित किया जा सके। उन्होंने कहा कि गौवंशों का संरक्षण शासन की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है। सभी अधिकारी पूरी संवेदनशीलता के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन करें तथा नियमित निरीक्षण कर व्यवस्थाओं को बेहतर बनाए रखें। किसी भी स्तर पर लापरवाही पाए जाने पर संबंधित के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

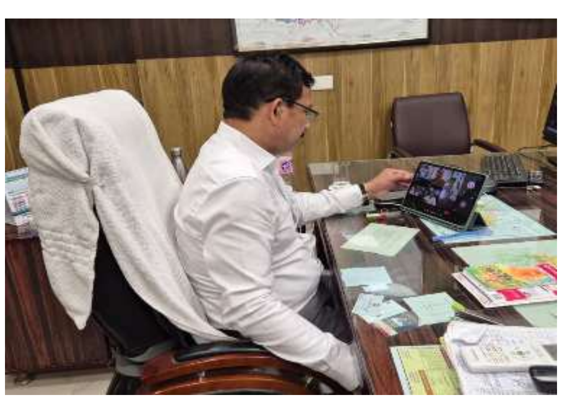

नशे के खिलाफ प्रशासन का अभियान, हेल्पलाइन की भी दी जानकारी

क्यूँ न लिखूँ सच / ब्यूरो / बरेली। नशा मुक्त भारत अभियान के तहत जिला प्रशासन ने जनजागरूकता अभियान चलाया। जिलाधिकारी अविनाश सिंह और जिला प्रोबेशन अधिकारी मोनिका राणा के निर्देशन में बस अड्डों और सार्वजनिक स्थानों पर लोगों को नशे के दुष्प्रभावों से अवगत कराया गया। अभियान में चाइल्ड हेल्पलाइन, महिला हेल्पलाइन, जीआरपी, स्वास्थ्य, श्रम और समाज कल्याण विभाग सहित कई विभागों ने संयुक्त रूप से भाग लिया। लोगों को जागरूकता पंपलेट वितरित किए गए और 112, 1098, 181, 1090, 1076 और 1930 जैसी महत्वपूर्ण हेल्पलाइन नंबरों की जानकारी भी दी गई। प्रशासन ने सभी नागरिकों से नशा मुक्त, सुरक्षित और जागरूक समाज के निर्माण में सक्रिय सहयोग करने की अपील की।

बाल श्रम जन जागरूकता अभियान

क्यूँ न लिखूँ सच / जगत राम विश्वकर्मा / श्रावस्ती जिलाधिकारी के नेतृत्व में श्रम विभाग द्वारा 2 माह जुलाई एवम अगस्त 2026 के विशेष बालश्रम जागरूकता चिन्हांकन एवम अवमुक्तिकरण पुनर्वासन अभियान के तहत आज जनपद श्रावस्ती के विभिन्न स्थानों यथा भिनगा चौराहा, चिल्हरिया चौरहा सिरसिया बाज़ार लक्ष्मण नगर बाज़ार पर बालश्रम का सघन अभियान चलाकर कर 5 बच्चों को विभिन्न प्रतिष्ठानों से अवमुक्त करा कर सेवायोजकों के विरुद्ध नियमानुसार विधिक कार्यवाही की गई है श्रम विभाग के तत्वाधान एवं जिला प्रशासन के सहयोग से 1 जुलाई 2026 से 31 अगस्त 2026 तक चलाए जा रहे बाल श्रम के विरुद्ध इस अभियान अभियान के अंतर्गत जनपद श्रावस्ती में व्यापक जनजागरूकता बाल श्रम चिन्हीकरण अवमुक्तिकरण एवम पुनर्वासन का कार्य कर जनपद को 2026 तक बाल श्रम से मुक्त कराया जाना है। इस अभियान के माध्यम से नगर पालिका परिषद भिनगा क्षेत्र के खैरी मोड़ चौराहा, पटेल चौक, पुरानी बाजार, नई बाजार, बस स्टैंड, तहसील रोड, जिला अस्पताल मार्ग,तथा अन्य प्रमुख सार्वजनिक स्थलों पर लोगों को बाल श्रम के दुष्परिणामों एवं कानूनी प्रावधानों की जानकारी देकर जागरूक किया गया। इस दौरान नागरिकों को बताया गया कि 14 वर्ष से कम आयु के बच्चों से किसी भी प्रकार का श्रम कराना कानूनन अपराध है तथा 14 से 18 वर्ष आयु वर्ग के किशोरों को खतरनाक कार्यों में लगाना भी प्रतिबंधित है।

फल के ठेले के नीचे मिले मासूम बच्चे के माता - पिता को पुलिस ने 24 घंटे में खोज निकाला, गंभीर बीमारी के कारण मासूम को छोड़ना पड़ा

क्यूँ न लिखूँ सच / ब्यूरो / बरेली। इंसानियत को झकझोर देने वाला मामला एक 45 से 50 दिन का मासूम बच्चा फल के ठेले के नीचे कपड़ों में लिपटा मिला था। सूचना मिलते ही बारादरी पुलिस ने बच्चे को सुरक्षित जिला अस्पताल में भर्ती कराते हुए चाइल्ड हेल्पलाइन को सूचना दी गई थी। इसके बाद पुलिस ने आसपास के लोगों से पूछताछ की और सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली। फुटेज के आधार पर लगातार प्रयास करते हुए पुलिस ने महज 24 घंटे के भीतर बच्चे के माता-पिता को तलाश लिया। पूछताछ में माता-पिता ने बताया कि बच्चा जन्म से ही गंभीर बीमारी से पीड़ित है। आर्थिक तंगी और इलाज कराने में असमर्थ होने के कारण उन्होंने मजबूरी में मासूम को सैटेलाइट चौराहे पर फल के ठेले के नीचे छोड़ दिया था। फिलहाल बच्चे का उपचार जारी है और पुलिस आवश्यक विधिक कार्रवाई के साथ पूरे मामले की जांच कर रही है।

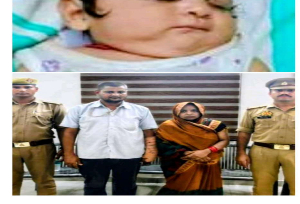

अंतर वाहिनी फुटबॉल प्रतियोगिता में 62वीं वाहिनी ने 42वीं वाहिनी को हराकर दर्ज की शानदार जीत

क्यूँ न लिखूँ सच / प्रेमचंद जायसवाल / श्रावस्ती। अमरेंद्र कुमार वरुण, कमांडेंट, 62वीं वाहिनी

सशस्त्र सीमा बल, भिनगा के मार्गदर्शन में वाहिनी मुख्यालय स्थित छत्रपति शिवाजी मैदान में आयोजित अंतर वाहिनी फुटबॉल प्रतियोगिता के द्वितीय मुकाबले में 62वीं वाहिनी, भिनगा एवं 42वीं वाहिनी, नानपारा के मध्य रोमांचक मैच खेला गया। कड़े मुकाबले में दोनों टीमों ने उत्कृष्ट खेल कौशल, अनुशासन एवं खेल भावना का परिचय दिया। निर्धारित समय तक चले मुकाबले में 62वीं वाहिनी, भिनगा ने 42वीं वाहिनी, नानपारा को 4-2 के अंतर से पराजित कर शानदार जीत दर्ज की। मैच के दौरान उपस्थित अधिकारियों एवं जवानों ने खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करते हुए उनका मनोबल बढ़ाया। इस अवसर पर कमांडेंट श्री अमरेंद्र कुमार वरुण ने विजेता टीम को बधाई देते हुए कहा कि खेल प्रतियोगिताएँ जवानों में शारीरिक दक्षता, मानसिक दृढ़ता, अनुशासन, नेतृत्व क्षमता तथा आपसी समन्वय विकसित करने का प्रभावी माध्यम हैं। उन्होंने सभी खिलाड़ियों से भविष्य में भी इसी उत्साह, समर्पण एवं खेल भावना के साथ उत्कृष्ट प्रदर्शन करने का आह्वान किया।

16 से 22 जुलाई तक मनाया जाएगा 'भूजल सप्ताह', जल संरक्षण को जनआंदोलन बनाने के निर्देश

क्यूँ न लिखूँ सच / राजेंद्र विश्वकर्मा/ जिलाधिकारी ने सभी विभागों को मिशन मोड में अभियान संचालित करने, व्यापक जनजागरूकता एवं विभागीय समन्वय सुनिश्चित करने के लिए निर्देश जिलाधिकारी राजेश कुमार पाण्डेय ने कलेक्ट्रेट सभागार में आगामी 16 से 22 जुलाई 2026 तक

आयोजित होने वाले भूजल सप्ताह के सफल आयोजन को लेकर संबंधित विभागों के अधिकारियों के साथ विस्तृत समीक्षा करते हुए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि भूजल संरक्षण केवल एक सरकारी कार्यक्रम नहीं, बल्कि भावी पीढ़ियों के सुरक्षित भविष्य से जुड़ा जनआंदोलन है। इसलिए सभी विभाग आपसी समन्वय के साथ निर्धारित तिथियों के अनुसार गतिविधियों का आयोजन सुनिश्चित करें। जिलाधिकारी ने कहा कि सात दिवसीय अभियान के दौरान ग्राम पंचायतों, विकास खंडों, नगर निकायों तथा जनपद स्तर पर व्यापक जन-जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जाएं। जल संरक्षण का संदेश आमजन तक पहुंचाने के लिए रैलियां, कार्यशालाएं, समन्वय बैठकें, पोस्टर एवं दीवार लेखन, पौधरोपण, जल संरक्षण की शपथ, वर्षा जल संचयन तथा रिचार्ज पिट निर्माण जैसी गतिविधियां प्रभावी ढंग से कराई जाएं। उन्होंने निर्देश दिए कि ग्राम पंचायत स्तर पर जल जीवन मिशन की पेयजल एवं स्वच्छता समितियों की बैठकें आयोजित कर सुरक्षित पेयजल, जलजनित रोगों से बचाव तथा जल के विवेकपूर्ण उपयोग के प्रति लोगों को जागरूक किया जाए। विद्यालयों, स्वयं सहायता समूहों, ग्राम प्रधानों तथा युवाओं की सहभागिता से जल संरक्षण रैलियां निकाली जाएं तथा सार्वजनिक भवनों और दीवारों पर जल संरक्षण संबंधी संदेश अंकित कराए जाएं।जिलाधिकारी ने विकास खंड स्तर पर विभागीय कार्यशालाएं एवं समन्वय बैठकें आयोजित करने, पूर्व निर्मित तालाबों, चेकडैमों एवं अन्य जल संरचनाओं का निरीक्षण कर उनकी उपयोगिता का मूल्यांकन करने तथा किसानों के बीच ड्रिप एवं स्प्रिंकलर जैसी आधुनिक सिंचाई तकनीकों का प्रदर्शन कराने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि इससे जल की बचत के साथ कृषि उत्पादकता भी बढ़ेगी। नगर निकायों में छतों एवं सार्वजनिक भवनों पर वर्षा जल संचयन के लिए उपयुक्त स्थलों की पहचान कर कार्ययोजना तैयार करने, स्कूलों में पोस्टर एवं निबंध प्रतियोगिताएं आयोजित कराने, जल गुणवत्ता परीक्षण शिविर लगाने तथा नगरवासियों को जल संरक्षण की सामूहिक शपथ दिलाने के निर्देश भी दिए गए। जिलाधिकारी ने कहा कि अभियान के अंतिम दिवस जनपद स्तर पर पेयजल, स्वच्छता एवं जल संरक्षण विषयक कार्यशाला समीक्षा बैठक आयोजित की जाएगी। जिलाधिकारी ने कहा कि भूजल संरक्षण प्रत्येक नागरिक की सामूहिक जिम्मेदारी है। सभी विभाग यह सुनिश्चित करें कि जनसहभागिता के माध्यम से जल बचाने का संदेश घर-घर तक पहुंचे और वर्षा जल संचयन तथा भूजल पुनर्भरण को जनआंदोलन का स्वरूप दिया जाए। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी केके सिंह, अपर जिलाधिकारी नमामि गंगे प्रेमचंद मौर्य, डीसी मनरेगा रामेन्द्र सिंह, भू गर्भ जल अधिकारी भरत दीप आदि सम्बंधित अधिकारी मौजूद रहे।

मार्ग किनारे बेहोश पड़े मिले युवक को चिकित्सक ने मृत घोषित किया

क्यूँ न लिखूँ सच / प्रेमचंद जायसवाल / श्रावस्ती। थाना इकौना क्षेत्र अंतर्गत इकौना कस्बे के मोहल्ला बेचूबाबा मे एक अज्ञात युवक मार्ग किनारे पटरी पर बेहोश पड़ा मिला। सूचना पर पहुंची पीआरवी पुलिस ने उसे सीएचसी इकौना पहुँचाया जहां चिकित्सक ने उसे मृत घोषित कर दिया। इकौना थाना क्षेत्र के इकौना नगर स्थित मोहल्ला बेचूबाबा में एचपी गैस एजेंसी के सामने सड़क की पटरी पर बेहोशी हालत में एक युवक सड़क की पटरी पड़ा दिखा। इसकी सूचना भारतीय किसान यूनियन के प्रदेश उपाध्यक्ष विनोद शुक्ला ने पुलिस को दिया। सूचना पर पहुंची पीआरवी पुलिस ने स्थानीय लोगों के सहयोग से एंबुलेंस से बेहोशी हालत में युवक को सीएचसी इकौना पहुंचाया। वहां चिकित्सक ने युवक को मृत घोषित कर दिया। उप निरीक्षक विशाल यादव व रामदुलारे यादव ने बताया कि शव की पहचान कराई गई लेकिन पहचान नहीं हो सकी। शव का पंचनामा भरकर पहचान के लिए मर्चरी हाउस भिनगा में सुरक्षित रखा गया है।

लापता किशोर का शव पेड़ से लटका मिला, हत्या की आशंका

क्यूँ न लिखूँ सच / प्रेमचंद जायसवाल / श्रावस्ती। थाना सोनवा क्षेत्र के ग्राम विशुनापुर के मजरा ठगरहना निवासी एक किशोर संदिग्ध परिस्थित में लापता हो गया पुलिस गुमशुदगी दर्ज कर उसे तलाश रही थी। किशोर का शव गांव के बाहर नाले के निकट पेड़ से लटका मिला जिसके बाद परिजनो ने हत्या की आशंका जताते हुए कार्रवाई की मांग की है। थाना सोनवा के ग्राम ठगरहना निवासी लवकुश मिश्रा (12) पुत्र जगराम मिश्रा बुधवार दोपहर संदिग्ध परिस्थितियों में घर से लापता हो गया। किशोर की माँ शांति देवी मिश्रा ने बताया कि उनका बेटा घर पर बिना कुछ बताए कहीं चला गया। काफी खोजबीन के बाद भी उसका पता नहीं चला। इस पर सोनवा थाने में तहरीर देकर बालक को खोजने की गुहार लगाई थी। पुलिस ने गुमशुदगी दर्जकर किशोर की तलाश कर रही थी। गांव के बाहर नाले के पास लगे भिलोर कि पेड़ से गमछे के फंदे के सहारे लवकुश का शव लटका मिला। सूचना पर पहुची सोनवा व गिलौला थाने की पुलिस ने शव को फंदे से नीचे उतरवाया।

आटा टोल प्लाजा पर सड़क सुरक्षा जागरूकता एवं निशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण शिविर आयोजित

क्यूँ न लिखूँ सच / राजेंद्र विश्वकर्मा/ वाहन चालकों के नेत्र, ब्लड प्रेशर व शुगर की हुई जांच, यातायात नियमों के पालन का दिलाया गया संकल्प सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाने एवं राष्ट्रीय राजमार्ग पर सुरक्षित यातायात सुनिश्चित करने के उद्देश्य से जिलाधिकारी राजेश कुमार पाण्डेय के निर्देशन में आज आटा टोल प्लाजा पर सड़क सुरक्षा जागरूकता एवं निशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण शिविर का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का आयोजन टोल प्लाजा प्रबंधन एवं स्वास्थ्य विभाग के संयुक्त सहयोग से किया गया, जिसमें राष्ट्रीय राजमार्ग

से गुजरने वाले वाहन चालकों एवं परिचालकों के नेत्र परीक्षण, ब्लड प्रेशर एवं शुगर की नि:शुल्क जांच की गई।सहायक सम्भागीय परिवहन अधिकारी (प्रवर्तन) राजेश कुमार ने उपस्थित वाहन चालकों को संबोधित करते हुए कहा कि सड़क सुरक्षा केवल नियमों का विषय नहीं, बल्कि प्रत्येक व्यक्ति के जीवन की सुरक्षा से जुड़ा दायित्व है। उन्होंने कहा कि यातायात नियमों का पालन केवल चालान से बचने के लिए नहीं, बल्कि स्वयं एवं अन्य लोगों की जान बचाने के लिए आवश्यक है। उन्होंने चालकों से वाहन चलाते समय सीट बेल्ट एवं हेलमेट का प्रयोग, निर्धारित गति सीमा का पालन, थकान की स्थिति में वाहन न चलाने तथा सड़क संकेतों का पालन करने की अपील की। शिविर में नेत्र चिकित्सक डॉ. अखिलेश कुमार एवं उनकी टीम के सदस्य संजय कुमार, माखन लाल, पवन कुमार विश्नोई और रवि सोलंकी ने बड़ी संख्या में वाहन चालकों एवं परिचालकों की आंखों की जांच की। साथ ही ब्लड प्रेशर एवं शुगर की भी जांच की गई। जिन चालकों की दृष्टि कमजोर पाई गई, उन्हें चश्मा लगाने तथा जिला चिकित्सालय में विस्तृत नेत्र परीक्षण कराने की सलाह दी गई। इस अवसर पर मुकेश कुमार (तहसीलदार), बीर बहादुर सिंह (यातायात प्रभारी), अलीम खान (समाजसेवी), आयोजनकर्ता उत्तम सिंह (परियोजना प्रबंधक, एनएचआईटी), सैयद इरफान (सेफ्टी मैनेजर), इंगेश शर्मा (इंसिडेंट मैनेजर), अंकेश श्रीवास्तव (प्लाजा मैनेजर), प्रदीप चौहान (पैरामेडिक) सहित टोल प्लाजा के अधिकारी-कर्मचारी एवं बड़ी संख्या में वाहन चालक और परिचालक उपस्थित रहे।

संक्षिप्त समाचार

भाजपा किसान मोर्चा के क्षेत्रीय नेता ठाकुर राकेश कुमार सिंह ने महानगर के विभिन्न क्षेत्रों का दौरा किया जनता की समस्याएं सुनी नगर निगम को चेतावनी दी अति शीघ्र इन समस्याओं को हल करें

क्यूँ न लिखूँ सच / लवकुश ठाकुर / अलीगढ़ भाजपा किसान

मोर्चा के क्षेत्रीय नेता पूर्व जिला अध्यक्ष धनीपुर भाजपा मंडल के संयोजक भाजपा शक्ति केंद्र प्रभारी सिधौली ठाकुर राकेश कुमार सिंह ने महानगर के कई क्षेत्रों का दौरा किया जनता की समस्याएं सुनी सभी रास्तों को दिखा हर गली में गए समस्याएं काफी भारी जटिल मिली लोगों ने बताया है कि अभी तक यहां पर विकास कार्य नहीं हुआ है आज भी रास्ता ऊपर पानी भरा खड़ा है कीचड़ भर परी है यह बाबा कॉलोनी का वह क्षेत्र है यहां पर कोई अधिकारी नहीं गया है भाजपा किसान मोर्चा के क्षेत्रीय नेता ठाकुर राकेश कुमार सिंह ने नगर निगम के अधिकारियों को सीधी चेतावनी दिए अपनी कार्यालय को छोड़कर ऐसी क्षेत्र का दौरा करें जनता की समस्याएं सुनी और उनका हल करें उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री जी का सट्टा आदेश है कोई भी गली कोई भी सड़क विकास कार्य से वंचित नहीं रहनी चाहिए इस आदेश का यहां पर पालन होना चाहिए

जिले में अब तक 130.22 मिमी औसत वर्षा दर्ज, पिछले वर्ष की तुलना में काफी कम बारिश

क्यूँ न लिखूँ सच / राजकुमार शर्मा (कटारे)/ शिवपुरी। जिले में मानसून की शुरुआत अपेक्षाकृत धीमी रही है। 1 जून 2026 से 7 जुलाई 2026 तक जिले में

130.22 मिमी औसत वर्षा दर्ज की गई है। जबकि गत वर्ष इसी अवधि तक जिले में 445.07 मिमी औसत वर्षा रिकॉर्ड की गई थी। भू-अभिलेख शाखा के अधीक्षक ने बताया कि शिवपुरी जिले की औसत वार्षिक वर्षा 816.3 मिमी है। वर्ष 2025 में जिले में कुल 1585.86 मिमी वर्षा दर्ज की गई थी, जो सामान्य से काफी अधिक थी। तहसीलवार वर्षा के आंकड़ों के अनुसार शिवपुरी में 197 मिमी, नरवर में 165 मिमी, कोलारस में 151 मिमी, बदरवास में 134.80 मिमी, करैरा में 132.20 मिमी, पोहरी में 113 मिमी, खनियाधाना में 108 मिमी, पिछोर में 105 मिमी तथा बैराड़ में 66 मिमी वर्षा दर्ज की गई है। बारिश के मौजूदा आंकड़े बताते हैं कि इस वर्ष अब तक जिले में वर्षा का स्तर पिछले वर्ष की तुलना में काफी कम है। हालांकि मौसम विभाग के पूर्वानुमान के अनुसार आगामी दिनों में मानसून के सक्रिय होने की संभावना है, जिससे वर्षा में बढ़ोतरी हो सकती है।

ग्राम भकरोल में युवक खेत में मरा मिला, नदीगांव पुलिस मौके पर पहुंची

क्यूँ न लिखूँ सच / राजकुमार शर्मा (कटारे)/ कोंच(जालौन)। कोंच सर्किल थाना नदीगांव के अंतर्गत ग्राम भकरोल में एक युवक का शव संदिग्ध परिस्थितियों में खेत में मिला है। मृतक की पहचान राजकुमार पुत्र बालादीन वंशकार के रूप में हुई है। सूचना मिलते ही नदीगांव थाना पुलिस और फॉरेंसिक टीम

मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी है। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। घटना स्थल पर फॉरेंसिक टीम ने महत्वपूर्ण साक्ष्य जुटाए हैं। पुलिस मामले को संदिग्ध मानकर सभी पहलुओं से जांच कर रही है। मृतक राजकुमार के परिवार में उनकी पत्नी के अलावा तीन पुत्रियां और एक पुत्र है। इस घटना से परिजनों का रो रोकर बुरा हाल है। पुलिस ने परिजनों से पूछताछ कर जानकारी जुटाई है नदीगांव थाना प्रभारी राज कुमार चौधरी ने बताया कि पोस्ट मार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के सही कारणों का खुलासा हो पाएगा। पुलिस ने अज्ञात के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच तेज कर दी है।

जनसुनवाई बनी जनविश्वास का केंद्र, महीनों पुरानी समस्याओं का चंद मिनटों में समाधान

क्यूँ न लिखूँ सच / हाकम सिंह रघुवंशी/ कलेक्टर श्री अंशुल गुप्ता ने आवेदकों से सीधे संवाद कर सुनीं समस्याएँ, विभागीय अधिकारियों को त्वरित निराकरण के दिए निर्देश प्रत्येक मंगलवार को आयोजित होने वाली जनसुनवाई कार्यक्रम जिले के नागरिकों के लिए अपनी समस्याओं के समाधान का भरोसेमंद मंच बनता जा रहा है। यह कार्यक्रम अब केवल शिकायत दर्ज कराने तक सीमित नहीं रह गया है, बल्कि आमजन की आस्था और विश्वास का केंद्र बन गया है, जहाँ वर्षों एवं महीनों से लंबित समस्याओं का निराकरण चंद मिनटों में सुनिश्चित किया जा रहा है। कलेक्ट्रेट में आयोजित जनसुनवाई के दौरान कलेक्टर श्री अंशुल गुप्ता ने स्वयं आवेदकों से आमने-सामने संवाद कर उनकी समस्याओं को गंभीरता से सुना। उन्होंने प्रत्येक आवेदन का परीक्षण करते हुए संबंधित विभागों के अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए तथा पात्र मामलों में तत्काल कार्रवाई सुनिश्चित कराई। कई मामलों में मौके पर ही समाधान उपलब्ध कराया गया, जिससे आवेदकों के चेहरों पर संतोष और राहत स्पष्ट दिखाई दी। कलेक्टर श्री गुप्ता ने कहा कि शासन की मंशा के अनुरूप प्रत्येक नागरिक की समस्या का समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण निराकरण प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि जनसुनवाई में प्राप्त होने वाले प्रत्येक आवेदन पर संवेदनशीलता के साथ कार्रवाई करें तथा किसी भी प्रकरण को अनावश्यक रूप से लंबित न रखा जाए। बैठक के दौरान विभिन्न विभागों के जिला अधिकारियों ने पिछली जनसुनवाई में प्राप्त आवेदनों के

निराकरण की प्रगति से कलेक्टर को अवगत कराया। साथ ही आज प्राप्त विभागवार आवेदनों के शीघ्र निराकरण के लिए की जा रही कार्यवाही और आगामी रणनीति भी प्रस्तुत की गई। अधिकारियों ने बताया कि अधिकांश प्रकरणों का समय-सीमा में निराकरण किया गया है तथा शेष मामलों में भी प्राथमिकता के आधार पर कार्रवाई जारी है। जनसुनवाई कार्यक्रम में बड़ी संख्या में जिले के विभिन्न क्षेत्रों से आए नागरिकों ने अपनी समस्याओं एवं मांगों से संबंधित आवेदन प्रस्तुत किए। राजस्व, सामाजिक न्याय, पंचायत एवं ग्रामीण विकास, विद्युत, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी, शिक्षा, कृषि तथा अन्य विभागों से संबंधित प्रकरणों पर गंभीरतापूर्वक सुनवाई करते हुए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए।जिला प्रशासन का यह प्रयास आमजन और प्रशासन के बीच विश्वास को और अधिक मजबूत कर रहा है। त्वरित, पारदर्शी एवं प्रभावी निराकरण की व्यवस्था से जनसुनवाई कार्यक्रम नागरिकों के लिए न्याय, राहत और सुशासन का प्रभावी माध्यम बनकर उभर रहा है।राजस्व, विद्युत, अतिक्रमण, नामांतरण, जाति प्रमाण पत्र व नगरीय समस्याओं पर मौके पर कार्रवाई - जनसुनवाई में शमशाबाद तहसील के ग्राम पीपरोदा निवासी श्री मोकम सिंह पुत्र श्री पन्नालाल अहिरवार ने भूमि का सीमांकन उपरांत कब्जा दिलाए जाने संबंधी आवेदन प्रस्तुत किया। विदिशा नगरी क्षेत्र की पुरनपुरा स्थित ग्रीन वैली कॉलोनी वासियों ने स्थाई विद्युत कनेक्शन संबंधी आवेदन दिया। ग्राम बिलोरी निवासी श्री लाल जी अहिरवार ने स्थाई विद्युत कनेक्शन हो जाने के उपरांत भी विद्युत डोरी लाइन नहीं लगाने संबंधी आवेदन दिया। ग्राम हिनोतिया माली निवासी श्री दलपत सिंह ने सीमांकन हो जाने के बाद भी कब्जा नहीं दिलाने संबंधी आवेदन दिया। ग्राम हिंगली जागीर निवासी श्री विजय सिंह ने जमीन पर अवैध कब्जे की शिकायत की। ग्राम डफरयायी कला निवासी श्रीमती पुष्पा बाई धाकड़ ने नक्शे के हिसाब से जमीन का सीमांकन नहीं होने की शिकायत की। लटेरी तहसील के बंदीपुर ग्राम निवासी श्री रमेश रावत ने उनकी भूमि का नामांतरण कंप्यूटर में दर्ज कराने संबंधी आवेदन दिए। ग्राम अमोदा निवासी हर प्रसाद कुशवाहा ने आर्थिक सहायता दिलाने संबंधी आवेदन दिया। शमशाबाद तहसील के श्री पतिराम ने खेत का सीमांकन हो जाने के बाद भी कब्जा नहीं मिलने संबंधी समस्या से अवगत कराया। बरखेड़ी ग्राम के श्री मोहनलाल ने सीमांकन के बाद कब्जा न मिलने संबंधी आवेदन दिया। कलेक्टर श्री अंशुल गुप्ता में सीमांकन सहित राजस्व संबंधित सभी शिकायतों को त्वरित संज्ञान में लेकर वीसी के माध्यम से जुड़े संबंधित क्षेत्र के तहसीलदारों व एसडीएम से संवाद कर नियमानुसार कार्रवाई करते हुए जन समस्याओं का निराकरण कर नागरिकों को राहत प्रदान करने के निर्देश दिए हैं। जनसुनवाई में कलेक्टर ने सुनीं आमजन की समस्याएं, त्वरित निराकरण के दिए निर्देश - जनसुनवाई के दौरान श्री शरीफ खान ने विदिशा नगरीय क्षेत्र के वार्ड क्रमांक एक पूरनपुर क्षेत्र में नाली निर्माण न होने और साफ सफाई न होने की शिकायत की। बासौदा नगरीय क्षेत्र के वार्ड क्रमांक 8 अयोध्या बस्ती के छात्र आकाश विश्वकर्मा ने जाति प्रमाण बनाए जाने संबंधी समस्या बताई। कलेक्टर श्री अंशुल गुप्ता ने इन दोनों आवेदनों में संबंधित क्षेत्र के अधिकारियों को मौके पर ही निर्देश देकर शीघ्र निराकरण कराए जाने का निर्देश दिए हैं।

एक ही दिन में पांच खुदकुशी, कहीं कर्ज तो कहीं काम के बोझ बनी वजह, शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेजा

कानपुर के चकेरी, सेनपश्चिम पारा, कल्याणपुर, गोविंदनगर और बर्रा थाना क्षेत्रों में सोमवार को 5 व्यक्तियों ने फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। पुलिस के अनुसार, इन घटनाओं के पीछे कर्ज का दबाव, दफ्तर का कार्यभार और निजी कलह जैसे कारण सामने आए हैं।कानपुर में अलग-अलग थाना क्षेत्रों में महज कुछ घंटों के भीतर पांच लोगों ने फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। ये घटनाएं चकेरी, सेनपश्चिम पारा, कल्याणपुर, गोविंदनगर और बर्रा में हुई है। घटनाओं से परिवारों में कोहराम मच गया है। पुलिस और फॉरेंसिक टीम ने मौके से साक्ष्य जुटाने के बाद शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। पुलिस ने आत्महत्या के पीछे कर्ज, काम के तनाव, प्रेम प्रसंग और अन्य कारण बताए हैं। चकेरी के कालीबाड़ी निवासी जसवंत निषाद (29) लालबंगला में फैशन प्लैनेट के नाम से कपड़ों की दुकान चलाते थे। छोटे भाई सागर के मुताबिक जसवंत ने व्यापार समेत अन्य कार्यों के लिए बैंक से करीब 30 से 35 लाख रुपये का ऋण लिया था।तनाव में फंदा लगाकर जान दे दी आरोप है कि किस्तों को लेकर बैंक अधिकारी और कर्मचारी लगातार दबाव बना रहे थे, जिससे वह काफी परेशान थे। इसी तनाव में सोमवार देर रात उन्होंने फंदा लगाकर जान दे दी। वहीं, सेनपश्चिम पारा थाना क्षेत्र के सेन पूरब पारा निवासी शिवम कुशवाहा (21) का शव घर से करीब तीन किलोमीटर दूर ठोकहा गांव के पास जामुन के पेड़ से फंदे पर लटका मिला। बढ़ते कार्यभार के कारण लंबे समय से तनाव में थीं-परिजन आत्महत्या की आशंका जता रहे हैं। कल्याणपुर के नई बस्ती वारासिरोही निवासी सुधा भारती (49), जो लेबर ऑफिस में क्लर्क थीं, ने भी सोमवार देर रात फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। पति द्रवेश कुमार ने बताया कि पत्नी कार्यालय के बढ़ते कार्यभार के कारण लंबे समय से तनाव में थीं। सोमवार सुबह वह ड्यूटी पर निकले थे। प्रेम प्रसंग में उठाया कदम- वहीं, पत्नी घर पर थीं। दोपहर में स्कूल से बच्चे लौटे तो घटना की जानकारी हुई। गोविंदनगर के दबौली गांव निवासी साहिल गौतम (18) ने भी फंदा लगाकर जान दे दी। पिता सुजीत के अनुसार साहिल एक युवती से प्रेम करता था और उसी के चलते उसने यह कदम उठा लिया।मजदूरी करता था अंकित- उधर, बर्रा के दामोदर नगर निवासी अंकित साहू (28) ने भी फंदा लगाकर जान दे दी। बड़े भाई विशाल ने बताया कि अंकित मजदूरी करता था। घटना के बाद परिवार में चीख-पुकार मच गई। पुलिस के अनुसार शवों का पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट और जांच के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

आंखें फोड़ीं, निजी अंग काटा, शरीर पर कई जगह दरांती से वार; कातिल मंत्री को मजाक में कहा था ये शब्द

गाजियाबाद के मोदीनगर के एक गांव में ग्रामीण को तंज कसना इतना नागवार गुजरा कि उसने युवक की बेरहमी से हत्या कर दी। वारदात की भयावहता का अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि आरोपी ने उसकी आंखें फोड़ दीं और शरीर के कई हिस्सों पर दरांती से ताबड़तोड़ वार किए। गाजियाबाद के मोदीनगर के पूठरी गांव में एक मामूली सी बात पर हुए विवाद ने खूनी रूप ले लिया। एक युवक को सिर्फ इसलिए मौत के घाट उतार दिया गया क्योंकि उसने एक ग्रामीण पर तंज कस दिया था। आरोपी ने इतनी बेरहमी से हत्या को अंजाम दिया कि मृतक की आंखें फोड़ दीं और दरांती से शरीर पर अनगिनत वार किए। पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है और हत्या में इस्तेमाल की गई दरांती व मृतक का मोबाइल फोन भी बरामद कर लिया है। डीसीपी ग्रामीण सुरेंद्र नाथ तिवारी ने घटना का खुलासा करते हुए बताया कि मृतक तरुण उर्फ नमित, मूल रूप से मुजफ्फरनगर के खतौली का रहने वाला था और पिछले दो वर्षों से पूठरी गांव में अपने परिवार के साथ किराए पर रह रहा था। रविवार शाम से लापता तरुण का शव सोमवार को गांव से करीब 500 मीटर दूर गन्ने के खेत में मिला। शव की हालत अत्यंत वीभत्स थी, जिससे हत्या की क्रूरता का अंदाजा लगाया जा सकता है।आरोपी गिरफ्तार, पूछताछ में कबूल जुर्म- पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए पूठरी गांव के ही निवासी निरांचल उर्फ मंत्री को हत्या के आरोप में गिरफ्तार किया है। डीसीपी के अनुसार, आरोपी ने पूछताछ के दौरान अपना जुर्म कबूल कर लिया है। प्रारंभिक जांच में पता चला है कि मामूली सी कहासुनी और तंज कसने की बात इतनी बढ़ गई कि आरोपी ने आपा खो दिया और निर्मम हत्या को अंजाम दिया। पीड़ित परिवार पर टूटा दुखों का पहाड़-मृतक तरुण अपने परिवार में सबसे बड़ा था। उसके पिता निर्दोष सैन मजदूरी करके परिवार का भरण-पोषण करते हैं। मां मधुबाला, भाई कृष्णा और दो बहनें अनुराधा व गुड़िया का रो-रोकर बुरा हाल है। परिवार ने आरोपी के लिए कड़ी से कड़ी सजा की मांग की है। इस घटना ने पूरे गांव में भय और आक्रोश का माहौल पैदा कर दिया है।शाम को टहलने निकला, फिर नहीं लौटा पुलिस ने बताया कि तरुण परतापुर के गेझा औद्योगिक क्षेत्र में गद्दा फैक्टरी में काम करता था। रविवार को अवकाश होने के कारण वह शाम करीब पांच बजे टहलने निकला था, लेकिन वापस नहीं लौटा। खोजबीन करने के बाद परिजनों ने रात करीब 11:30 बजे ग्राम प्रधान के माध्यम से पुलिस को उसके लापता होने की सूचना दी। सुबह निवाड़ी-पूठरी संपर्क मार्ग के पास पूठरी निवासी रामवीर के खेत में तरुण का खून से लथपथ शव पड़ा मिला। ग्रामीणों से इसकी सूचना मिलने पर निवाड़ी पुलिस व तरुण के पिता मौके पर पहुंचे और शव की शिनाख्त की। भंगजी बाबा कहकर उड़ाया था मजाक-हत्यारोपी निरांचल उर्फ मंत्री (33) ने पुलिस को पूछताछ में बताया कि बीते शुक्रवार को तरुण, गांव के ही प्रिंस और उनके कुछ दोस्तों ने उसे भंगजी बाबा कहकर तंज कसते हुए मजाक उड़ाया था। इसी बात से वह आक्रोशित था। आरोपी के अनुसार रविवार शाम उसने तरुण को गांव से निवाड़ी की ओर जाते देखा। तरुण ने उसे फिर भंगजी बाबा कहकर पुकारा। इस पर उसने तरुण पर दरांती से हमला कर दिया। आरोपी ने उसके चेहरे, गर्दन, पेट और निजी अंगों पर कई वार किए। उसने तरुण की दोनों आंखें भी फोड़ दीं और पेट की आंतें तक बाहर निकाल दी। वारदात के बाद शव को सड़क से खींचकर खेत में ले गया और बोरे में भरने का प्रयास किया, लेकिन असफल रहने पर शव वहीं छोड़कर भाग गया। आरोपी ने पूछताछ में स्वीकार किया कि वह अन्य लोगों को भी निशाना बनाने की फिराक में था और मजाक उड़ाने वाली घटना के बाद से ही दरांती लेकर घूम रहा था। तीन दिन पहले उसने प्रिंस पर भी हमला किया था, लेकिन लोग पहुंच गए और वह बच गया।सनकी प्रवृत्ति का है आरोपी मोबाइल फोन ले गया घर-पुलिस के अनुसार, जांच में पता चला कि आरोपी निरांचल सनकी प्रवृत्ति का है और मजदूरी करता है। वह नशे का आदी होने के साथ तांत्रिक क्रियाओं में भी रुचि रखता था। पूछताछ में उसने बताया कि शव के पास संस्कृत के श्लोक भी पढ़े थे। इसके बाद वह मृतक का मोबाइल फोन लेकर घर चला गया, जिसके आधार पर पुलिस ने उसे गिरफ्तार किया।

पीलीभीत में दर्दनाक हादसा: करंट लगने से दंपती की मौत, बरामदे में मिले शव, ऊपर गिरा था फर्राटा पंखा

पीलीभीत के बिलसंडा थाना क्षेत्र के हेमूपुरा गांव में मंगलवार सुबह दंपती की करंट लगने से मौत हो गई। उनके शव बरामदे में मिले। उनके ऊपर फर्राटा गिरा हुआ था। पुलिस ने शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पीलीभीत के बिलसंडा थाना क्षेत्र के गांव हेमूपुरा में मंगलवार सुबह करंट लगने से दंपती की मौत हो गई। घर के बरामदे में लगे फर्राटा पंखे के करंट की चपेट में आने से हरिशंकर और उनकी पत्नी कमला देवी ने मौके पर ही दम तोड़ दिया। घटना की जानकारी मिलते ही गांव में शोक की लहर दौड़ गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शवों को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी। गांव हेमूपुरा निवासी संत कुमार ने बताया कि उनके माता-पिता गांव के बाहर बने मकान में रहते थे। सोमवार रात रोजाना की तरह उनकी मां कमला देवी घर से खाना खाकर सोने के लिए चली गई थीं, जबकि पिता हरिशंकर पड़ोस के गांव में आयोजित एक दावत में गए थे। देर रात वह भी घर लौट आए थे। दंपती के ऊपर पड़ा था पंखा - मंगलवार सुबह करीब पांच बजे जब संत कुमार अपने माता-पिता से मिलने गांव के बाहर बने मकान पर पहुंचे तो मुख्य दरवाजा अंदर से बंद मिला। काफी देर तक आवाज देने के बाद भी कोई जवाब नहीं मिला, जिससे उन्हें अनहोनी की आशंका हुई। इसके बाद वह दूसरे रास्ते से मकान के अंदर पहुंचे। बरामदे में पहुंचते ही उनके होश उड़ गए। वहां माता-पिता जमीन पर पड़े थे और उनके ऊपर फर्राटा पंखा गिरा हुआ था। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल -परिजनों का कहना है कि पंखे के तार में करंट उतर आने से दोनों उसकी चपेट में आ गए, जिससे मौके पर ही उनकी मौत हो गई। घटना की सूचना मिलते ही बड़ी संख्या में ग्रामीण मौके पर एकत्र हो गए। देखते ही देखते पूरे गांव में मातम छा गया और परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल हो गया। सूचना मिलने पर बिलसंडा थाना पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण किया। पुलिस ने शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस के मुताबिक प्रारंभिक जांच में हादसा बिजली के करंट से होना प्रतीत हो रहा है। पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट और जांच के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

दहेज नहीं मिलने पर विवाहिता को पिलाया तेजाब, उपचार के दौरान मौत; चार माह पहले हुई थी शादी

बरेली में एक विवाहिता की संदिग्ध हालात में मौत हो गई। चार महीने पहले उसकी शादी हुई थी। मायके वालों ने दहेज की मांग पूरी न होने पर ससुराल वालों पर तेजाब पिलाकर हत्या का आरोप लगाया है। बरेली में शादी के चार महीने बाद एक विवाहिता की संदिग्ध हालात में मौत हो गई। मायके वालों का आरोप है कि दहेज की मांग पूरी नहीं होने पर पति और ससुराल वालों ने विवाहिता को तेजाब पिला दिया। निजी अस्पताल में उपचार के दौरान उसने दम तोड़ दिया। मृतका के पिता ने कैंट थाने में रिपोर्ट कराई थी। अब उसमें दहेज हत्या की धारा बढ़ाई जाएगी। सुभाषनगर थाना क्षेत्र के बेहटी निवासी रामवीर ने कैंट थाना प्रभारी संजय धीर को बताया कि वह उत्तराखंड के रुद्रपुर रहकर नौकरी करते हैं। उन्होंने अपनी बेटी प्रीति की शादी चार माह पहले कैंट के उमरसिया निवासी धर्मेंद्र से की थी। शादी में 15 लाख से ज्यादा रुपये खर्च किए थे। शादी के बाद धर्मेंद्र दो लाख रुपये व्यापार करने के लिए मांग रहा था। उपचार के दौरान हुई मौत आरोप लगाया कि रुपये नहीं मिलने पर 14 जून को धर्मेंद्र, उसके पिता ज्वाला प्रसाद और मां कमला देवी ने प्रीति को जबरन तेजाब पिला दिया। जब रामवीर को पता लगा तो वह अपनी पत्नी के साथ बरेली आए। उनकी बेटी प्रीति ने बताया कि पति धर्मेंद्र और उसके परिजनों ने उसे तेजाब पिलाया है। प्रीति को निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया। सोमवार शाम प्रीति की मौत हो गई। सूचना पर कैंट थाना पुलिस ने शव सील कर दिया।सीओ प्रथम आशुतोष शिवम ने बताया कि चार महीने पहले ही प्रीति की शादी हुई थी। पिता ने उसके उत्पीड़न व तेजाब पिलाने की धारा में रिपोर्ट कराई गई थी। अब उसकी मौत की सूचना मिली है। पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट के आधार पर दहेज हत्या की धारी बढ़ाई जाएगी।

संक्षिप्त समाचार

मुरादाबाद में चला सरकारी बुलडोजर, पाकबड़ा में बनी अवैध दरगाह धवस्त, भारी संख्या में पुलिस बल रहा मौजूद

मुरादाबाद के पाकबड़ा में जिला प्रशासन ने सरकारी भूमि पर बनी अवैध दरगाह को बुलडोजर से ध्वस्त कर दिया। पुलिस सुरक्षा के बीच करीब 1620 वर्गमीटर सरकारी जमीन को अतिक्रमण मुक्त कराया गया। मुरादाबाद जिले में सरकारी भूमि को अतिक्रमण मुक्त कराने का अभियान लगातार जारी है। मंगलवार को जिला प्रशासन ने पाकबड़ा क्षेत्र में दिल्ली हाईवे किनारे सरकारी जमीन पर अवैध रूप से बने दरगाह पर बुलडोजर चलाकर उसे ध्वस्त कर दिया। पुलिस की कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच हुई इस कार्रवाई के दौरान पूरे इलाके की घेराबंदी की गई। प्रशासन ने बिना किसी विरोध या विवाद के करीब 1620 वर्गमीटर सरकारी भूमि को अतिक्रमण मुक्त करा लिया। जिला प्रशासन की टीम दिल्ली हाईवे स्थित पाकबड़ा क्षेत्र की गाटा संख्या 1180 पर पहुंची।जहां सरकारी भूमि पर अवैध निर्माण किया गया था। राजस्व अभिलेखों की जांच, भूमि के सत्यापन और नियमानुसार प्रशासनिक प्रक्रिया पूरी होने के बाद अवैध निर्माण हटाने का निर्णय लिया गया था।इसके तहत प्रशासन की टीम ने नगर पंचायत पाकबड़ा और पाकबड़ा थाना पुलिस की मौजूदगी में बुलडोजर से अवैध दरगाह को ध्वस्त कर दिया। कार्रवाई शुरू होने से पहले पुलिस ने पूरे क्षेत्र को सुरक्षा घेरे में ले लिया।दिल्ली हाईवे पर यातायात प्रभावित न हो इसके लिए ट्रैफिक व्यवस्था भी सुचारु रखी गई। प्रशासन के अनुसार गाटा संख्या 1180 की लगभग 1620 वर्गमीटर सरकारी भूमि पर अवैध कब्जा कर निर्माण किया गया था। कार्रवाई के दौरान राजस्व विभाग की टीम, नगर पंचायत पाकबड़ा के अधिशासी अधिकारी तथा पाकबड़ा थाना पुलिस के अधिकारी और कर्मचारी मौके पर मौजूद रहे।

49 साल बाद भी न मिली राहत, 300 रुपये की ली थी घूस, लेखपाल की सजा बरकरार; इलाहाबाद हाईकोर्ट का बड़ा फैसला

49 साल बाद भी रिश्वतखोर को राहत नहीं मिली है। 300 रुपये की रिश्वत लेने वाले लेखपाल की इलाहाबाद हाईकोर्ट ने सजा बरकरार रखी है। 1977 में विजिलेंस ने आरोपी को पकड़ा था। चार सप्ताह में सरेंडर कर शेष सजा काटने का आदेश दिया है।इलाहाबाद हाईकोर्ट ने करीब 49 साल पुराने रिश्वत के मामले में लेखपाल की एक साल के कठोर कारावास की सजा बरकरार रखी। कोर्ट ने 41 साल पुरानी आपराधिक अपील खारिज कर दोषी को चार सप्ताह में संबंधित ट्रायल कोर्ट में सरेंडर कर बची सजा काटने का आदेश दिया है। ह आदेश न्यायमूर्ति संजीव कुमार की एकल पीठ ने महेश चंद की याचिका पर दिया। अभियोजन के अनुसार कानपुर की एक तहसील में तैनात लेखपाल महेश चंद ने भूमि विवाद में एक पक्षकार से दूसरे की अपील खारिज कराने के नाम पर 400 रुपये रिश्वत मांगी थी। शिकायत के बाद विजिलेंस ने फिनॉल्फ्थेलीन पाउडर लगे 100-100 रुपये के तीन नोट शिकायतकर्ता को दिए। होटल में जैसे ही महेश चंद ने 300 रुपये लेकर उन्हें अपनी जेब में रखा, विजिलेंस टीम ने रंगे हाथों पकड़ लिया। ट्रायल कोर्ट ने 1985 में महेश चंद को दोषी ठहराते हुए एक साल के कठोर कारावास की सजा सुनाई थी। इसके बाद दोषी ने हाईकोर्ट में अपील दायर की, जो चार दशक से अधिक समय तक लंबित रही। बचाव पक्ष के अधिवक्ता ने दलील दी कि शिकायतकर्ता की गवाही अदालत में नहीं कराई गई। इसलिए अभियोजन का मामला संदेहास्पद है। सार्वजनिक स्थान पर रिश्वत लेना स्वाभाविक नहीं है। कोर्ट ने कहा कि यदि ट्रैप की कार्रवाई विजिलेंस अधिकारियों और स्वतंत्र गवाहों की विश्वसनीय गवाही से पूरी तरह सिद्ध हो जाती है तो केवल शिकायतकर्ता के गवाही न देने से पूरा मामला कमजोर नहीं हो जाता। ट्रैप की कार्रवाई गोपनीय तरीके से की जाती है। इसलिए सार्वजनिक स्थान पर आरोपी का पकड़ा जाना अस्वाभाविक नहीं माना जा सकता। कोर्ट ने ट्रायल कोर्ट के फैसले को सही ठहराते हुए अपील खारिज कर दी। आरोपी की जमानत और निजी मुचलका निरस्त कर सरेंडर का आदेश दिया है।

दैनिक अखबार क्यूँ न लिखूँ सच को जिला एवं तहसील स्तर पर ब्योरो संवाददाता व विज्ञापन प्रतिनिधि चाहिए
9027776991
knlslive@gmail.com

Which Dal is Healthiest: Which Dal Should You Eat Every Day? Learn from the Experts about the Healthiest Options

These four dals are common in Indian kitchens. Today, we'll explore which of these dals is the healthiest. In Indian kitchens, dals are not only a flavoring, but also a vital pillar of health. Dals like masoor, arhar, mung, and urad are regularly prepared in almost every household. All of these dals are excellent sources of protein, fiber, iron, calcium, potassium, and many essential vitamins. People often wonder which of these four dals is the most beneficial? The answer lies not in the name of any one dal, but in its nutritional value and your health needs. Whether you're looking to lose weight, improve digestion, strengthen muscles, or address protein deficiency, each dal has its own unique properties. Let's explore the nutritional content of lentils, pigeon peas, mung beans, and black gram dal, their health benefits, and which lentils may be the best choice for a particular individual.

Benefits of lentils: Rich in protein and fiber, they are considered beneficial for weight loss. Their good iron content helps alleviate anemia. They are beneficial for heart health and can help regulate blood sugar. Benefits of pigeon peas (toor) dal: They are easily digestible. They are a good source of protein and folic acid. They help strengthen bones and muscles. They provide long-lasting energy. They are an excellent choice for a balanced daily diet. Benefits of mung beans: They are considered the lightest and most digestible lentil. Suitable for children and those with medical conditions. They help maintain a healthy digestive system. They are a good choice for those trying to lose weight. They are rich in antioxidants and vitamins. Benefits of black gram dal: A good source of protein and calcium. They strengthen bones and muscles. They help increase strength and energy. They are rich in iron and magnesium. In traditional Ayurveda, it is considered a strength enhancer. Which lentils are the healthiest? All lentils have their own nutritional benefits, and no single lentil can be considered "healthiest" for everyone. If you want to lose weight, mung dal and masoor dal are better choices. If you want to increase protein, urad dal and masoor dal are beneficial. For daily consumption, arhar dal is considered a balanced option. If digestion is weak, mung dal is considered best. If iron is needed, lentil and urad dal can be beneficial. According to experts, the best way is to include different lentils in your diet on a rotating basis throughout the week, so that the body gets different nutrients.

Nutrition for Kids: Is your child starting school? Learn here what to feed children aged 5 to 12 every day.

If your child is between the ages of 5 and 12, pay special attention to their diet. Here, we will tell you what a child's diet should be. The age of 5 to 12 is considered crucial for children's physical, mental, and intellectual development. During this time, their bones, muscles, and brain develop rapidly, so they need a balanced and nutritious diet the most. However, nowadays, many children prefer junk food, sugary drinks, and packaged snacks, which deprive their bodies of essential nutrients. This can impact their immunity, learning, energy, and overall development. In this article, we will explain the diet of children aged 5 to 12, what nutrients they should include in their daily meals, and what eating habits can ensure their optimal growth and good health. What should a child's diet be like? 1. Provide protein-rich foods. Protein is essential for children's growth. Include lentils, milk, yogurt, cheese, eggs, fish, chicken, soy, and kidney beans in their diet. 2. Take care of calcium and vitamin D. Milk, yogurt, cheese, ragi, sesame seeds, and sunlight are essential for strong bones and teeth. 3. Feed fresh fruits and green vegetables. Fruits and vegetables are a good source of vitamins, minerals, and fiber. Include at least 2-3 types of fruits and seasonal vegetables daily. 4. Provide whole grains. Roti, porridge, oats, brown rice, and multigrain cereals provide long-lasting energy. 5. Healthy fats are also important. Walnuts, almonds, peanuts, seeds, and limited amounts of ghee help children's brain development. 6. Provide adequate water. Encourage children to drink adequate amounts of water throughout the day. Avoid sugary and carbonated drinks. 7. Limit junk food. Minimize consumption of chips, pizza, burgers, noodles, candy, and cold drinks. 8. Give healthy snacks Roasted gram, sprouts, fruits, curd, makhana, dry fruits and homemade sandwiches are better options. Include in children's diet daily- Milk or curd, one seasonal fruit, green vegetables, pulses or any protein source, whole grains, dry fruits, sufficient water. What things should be kept in mind? Never let breakfast be skipped. Feed children on time. Avoid the habit of eating food while watching TV or mobile. Give fresh and balanced home-cooked food. Encourage physical activities and outdoor games.

Pregnant Woman Health: These Important Precautions Should Be Taken During the First Trimester of Pregnancy

Taking care of your pregnant woman during the early days of pregnancy is extremely important. Today, we'll explain what you should do to ensure this. Pregnancy is the most crucial and sensitive time in a woman's life, especially during the early days, when the body undergoes numerous hormonal and physical changes rapidly. During this time, it's crucial to take special care of the health of both the mother and the unborn child. Even minor negligence can lead to numerous complications, so proper diet, rest, and regular checkups are essential. Making lifestyle changes as advised by your doctor is crucial during this time. In this article, we'll explain what pregnant women should consider during the early days of pregnancy, what they should eat, what habits they should avoid, and how to protect their health and that of their baby during this critical time. 1. Eat a Balanced and Nutritious Diet: A nutritious diet is crucial for the development of both mother and baby during the early days of pregnancy. During this time, you should include green vegetables, fresh fruits, milk, yogurt, pulses, and protein-rich foods. Folic acid is essential for the development of the baby's brain and spinal cord, while iron prevents anemia. Supplements can also be taken as per your doctor's advice. 2. Get adequate rest: Hormonal changes in the body are rapid during this time, which can cause fatigue and weakness. Avoid heavy work, bending over, or standing for long periods of time. The more rest the body gets, the better the pregnancy will progress. 3. Drink adequate amounts of water: The body needs more water than usual during pregnancy. Drinking adequate water prevents dehydration and also provides relief from problems like constipation. Consuming 8–10 glasses of water, coconut water, and fresh juice daily is beneficial. 4. Get regular checkups: Regular checkups are essential during early pregnancy to monitor the health of the mother and baby. Ultrasounds, blood tests, and necessary screenings should be done periodically. This helps in detecting any problem in time and makes proper treatment possible. 5. Stay away from stress Mental stress can have a direct impact on the baby in the womb, hence it is important to remain happy and calm during this time. Yoga, meditation, deep breathing exercises and good sleep help in reducing stress. Family support is also very important. 6. Avoid harmful habits- Smoking, alcohol and excessive caffeine consumption can be very harmful for the development of the foetus. These habits can cause birth defects and complications, hence they should be given up completely.

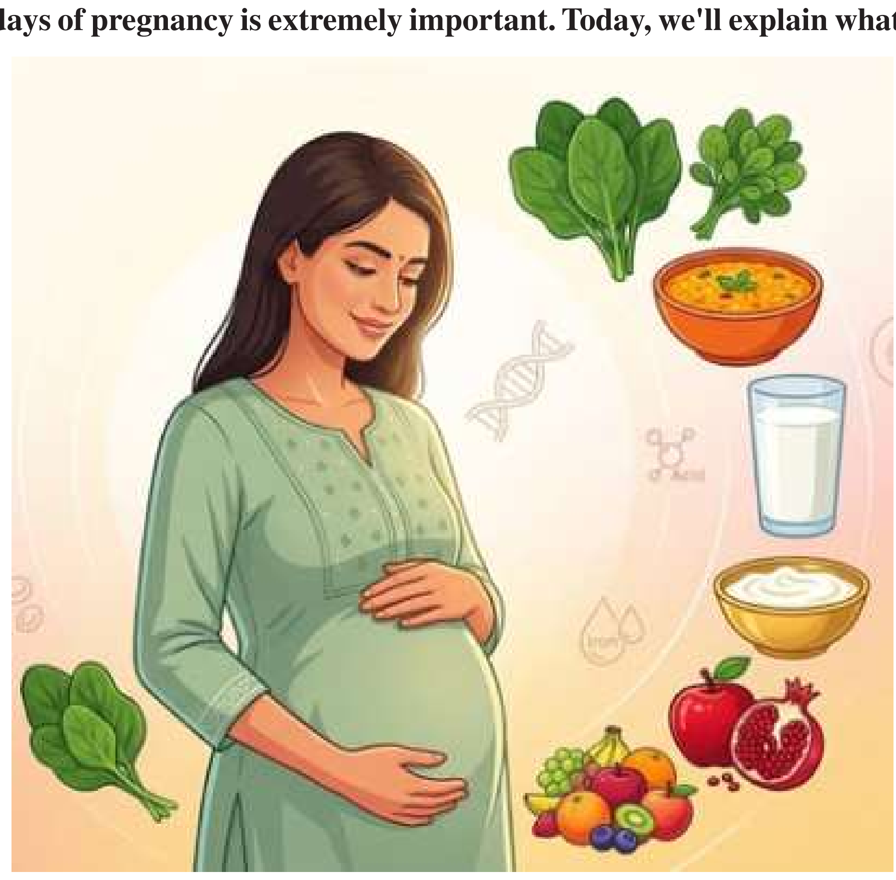

Raveena Tandon raised the issue of the diminishing roles of actresses in Bollywood, saying this about Sridevi and Juhi.

Bollywood actress Raveena Tandon has been in the news these days for "Welcome 3." Meanwhile, she has expressed her opinion on the roles of actresses in Bollywood comedy films.

Raveena Tandon's film "Welcome to the Jungle" is currently making steady box office profits. It is an action-comedy film. Meanwhile, Raveena has given her opinion on the roles of heroines in Bollywood comedy films. Comic roles for heroines have become smaller now - Raveena Tandon worked in several excellent comedy films in the 90s, such as "Andaz Apna Apna" and "Dulhe Raja." During an interview with PTI, Raveena said that in those days, actresses had the opportunity to freely perform comedy. Comedy films these days are often too regimented or feature too many actors. Because of this, heroines rarely get fun and hilarious scenes. Praising Sridevi and Juhi Chawla: Raveena Tandon proved with films like "Mr. India" and "Chaalbaaz" that even a beautiful heroine can make people laugh with her excellent comedy and expressions. She also praised Juhi Chawla's comic timing and the witty style of yesteryear actresses like Geeta Bali and Madhubala. Raveena's suggestion: "Today's actresses are very talented, but film scripts limit them to just looking pretty. We need writers who can write fun and hilarious roles for women, without the need to always look perfect." "Welcome to the Jungle" earnings: Raveena Tandon is seen in the recently released film "Welcome to the Jungle." Directed by Ahmed Khan, the film has been a superhit at the box office and has grossed over Rs 100 crore worldwide since its release.

Urfi Javed visited the Kamakhya Devi Temple, leaving fans stunned with her cultured style. Users exclaimed, "You were an atheist!"

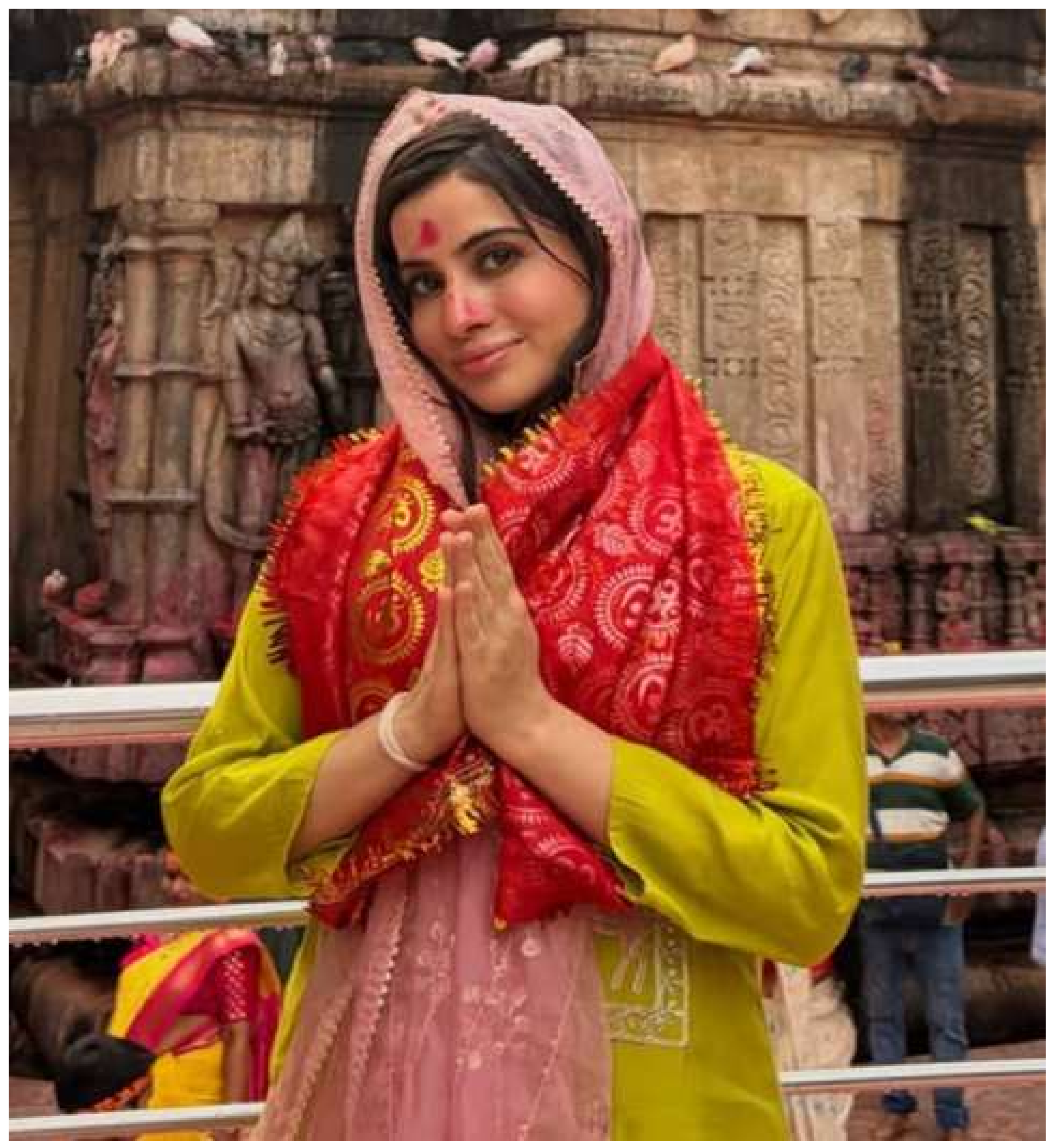

Influencer and actress Urfi Javed, known for her quirky fashion sense, recently visited the famous Kamakhya Devi Temple in Guwahati. She posted some photos from this visit on social media, drawing reactions from fans. Urfi Javed is often trolled for her unusual fashion sense, often embroiled in controversy. Recently, when she arrived at the Kamakhya Devi Temple in a simple, traditional outfit, fans were stunneds. Many social media users couldn't believe it was Urfi Javed. Fans reacted to Urfi Javed's social media post with a strange and surprising twist. Fans asked a serious question: Urfi Javed shared several photos after visiting the Kamakhya Devi Temple. In these, she was seen wearing a suit-salwar suit and a dupatta on her head. She also wrote in the caption, "Visited the Kamakhya Devi Temple in Guwahati." She further shared a flower emoji. Seeing this photo, many fans commented that she had worn a nice dress for the first time. But one social media user asked Urfi, "You were an atheist, right?" It's worth noting that in some of her first interviews, Urfi had stated that she doesn't believe in religion. How is Urfi Javed's career going? These days, Urfi Javed has been seen wearing creative outfits on social media. She also appeared as a guest on an episode of "Lock Up 2." Previously, Urfi Javed participated in the reality show "Splitsvilla" and was associated with the show as a host. She has been a part of several other reality shows. Urfi hosted a reality show based on her own life, "Follow Kar Lo Yaar."

Singer Stebin Ben revealed the truth behind a viral video of his mother and Nupur Sanon, saying, "Everything is between my mother and wife..."

Stebin Ben has broken his silence on his mother publicly ignoring his daughter-in-law, Nupur Sanon. Find out the truth behind this viral video. A video of singer Stebin Ben and his wife, Nupur Sanon, went viral on social media. People claimed that Stebin's mother publicly ignored her daughter-in-law, Nupur. Now, Stebin has broken his silence and addressed these rumors. What was in the viral video? Stebin and Nupur, who got married in January, were out for dinner with their parents. While leaving the restaurant, paparazzi were taking pictures of them. Nupur asked her mother-in-law to stop, but she continued without stopping. After seeing this video, people on the internet started saying that Nupur has a dangerous mother-in-law. Did Stebin Ben clarify? According to a report by Galatta India, Stebin clarified this misconception, saying that his parents are very simple. They feel uncomfortable seeing the media and paparazzi. They feel that the media is only for Stebin, not for them, so they quietly leave. He dismissed the rumors, saying that there is no rift between his mother and Nupur, but rather that they have a very good relationship. Stebin also said that Nupur and his mother spend a lot of time at home and even play games at home, they are on the same team. Stebin and Nupur's relationship: Stebin and Nupur have known each other's families since 2020. The closeness between the two families increased during the lockdown. This relationship which started with friendship turned into love and on January 10 this year, both of them got married with great pomp in Udaipur, Rajasthan.